राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 306 | शुक्रवार 28 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

संभल जामा मस्जिद मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, तीन सदस्यीय कमेटी होगी गठित

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित जामा मस्जिद को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि मस्जिद की रंगाई-पुताई तीन सदस्यीय कमेटी की देखरेख में कराई जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद तीन सदस्यीय कमेटी बनाने का निर्देश दिया, जो मस्जिद की रंगाई-पुताई से जुड़े सभी कार्यों की निगरानी करेगी। कोर्ट का यह आदेश सुनिश्चित करेगा कि कोई विवाद या असहमति न हो और कार्य निष्पक्ष रूप से पूरा किया जाए। हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन जल्द ही तीन सदस्यीय कमेटी के सदस्यों के नाम घोषित करेगा। यह कमेटी सुनिश्चित करेगी कि सभी कार्य सही तरीके से और नियमों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

क्या है मामला?

संभल की जामा मस्जिद को लेकर हाल ही में विवाद सामने आया था, जिसके बाद यह मामला हाईकोर्ट पहुंचा। याचिकाकर्ताओं ने मस्जिद की रंगाई-पुताई और अन्य मरम्मत कार्यों को लेकर उचित प्रक्रिया अपनाने की मांग की थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने संतुलित फैसला सुनाया और कमेटी गठित करने का आदेश दिया।

पीएफ ब्याज दर को लेकर आज फैसला, ईपीएफओ के करोड़ों मेंबर्स को लग सकता है बड़ा झटका

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की बैठक शुक्रवार को होने वाली है, जिसमें प्रॉविडेंड फंड के ब्याज दर को लेकर फैसला लिया जा सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर शुक्रवार को न्यासी बोर्ड ब्याज को लेकर फैसला लेता है तो ईपीएफओके करोड़ों मेंबर्स को बड़ा झटका लग सकता है। ईपीएफओका सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी पीएफ में जमा पैसे पर मिलने वाले सालाना ब्याज में कटौती कर सकती है। भविष्य निधि पर रिटर्न पिछले वित्त वर्ष के लिए घोषित 8.25 प्रतिशत ब्याज दर से कम रहने की संभावना है। गौरतलब है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के ईपीएफओका सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की 2024-25 के लिए पीएफ कंट्रीब्यूशन पर ब्याज दर पर चर्चा करने के लिए 28 फरवरी को बैठक होने वाली है।

ब्याज में मामूली कमी की संभावना

रिपोर्ट के अनुसार, ब्याज दर मौजूदा दर के करीब ही रह सकती है, जिसमें मामूली कमी की संभावना है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईपीएफओ के मौजूदा फंड और निवेश को देखते हुए, इसमें मामूली कमी हो सकती है और ब्याज दर 8.2-8.25 प्रतिशत के आसपास हो सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है और आगे भी इसमें गिरावट जारी रहने की संभावना है।

स्पेसएक्स मून मिशन की सफल लॉन्चिंग

- 8 दिन में चांद पर पहुंचेगा; दो महीने में दूसरा मिशन; पहला लैंडर 22 फरवरी को पलट गया था

वाशिंगटन। अमेरिका की प्राइवेट स्पेस कंपनी स्पेसएक्स का दूसरा मून मिशन एथेना आईएम-2 गुरूवार सुबह भारतीय समयानुसार सुबह 5:45 पर लॉन्च किया गया। इसे अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। पिछले दो महीने में स्पेसएक्स की तरफ से चंद्रमा पर भेजा जाने वाला यह दूसरा लैंडर है। 15 जनवरी 2025 को पहला मून लैंडर ओडिसियम आईएम-2 अंतरिक्ष में भेजा गया था। 22 फरवरी को इसने चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग की मगर थोड़ी देर बाद यह पलट गया। पहले लैंडर के फेल होने के बाद स्पेसएक्स ने पांच दिन बाद दूसरा मून मिशन लॉन्च किया।

मणिपुर सीएम की रेस में फिर मैतेई चेहरे

-10 मार्च से पहले बन सकती है सरकार

इंफाल। मणिपुर में भाजपा एक बार फिर से मैतेई कम्युनिटी के नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है। सीएम की रेस में तीन नाम आगे चल रहे हैं। तीनों मैतेई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह भी मैतेई समुदाय के हैं। हालांकि, कुकी के साथ भाजपा के कई मैतेई विधायक अब उनके खिलाफ हैं। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई 2023 से हिंसा हो रही है। बीरेन सिंह पर हिंसा के दौरान मैतेइयों को कुकी के खिलाफ उकसाने के आरोप हैं। 9 फरवरी को उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। नए सीएम के नाम पर विधायकों में सहमति नहीं बनने पर केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। राज्य में अभी विधानसभा भंग नहीं हुई है। ऐसे में भाजपा 10 मार्च से पहले सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। 60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं। इनमें 27 मैतेई, 6 कुकी, 3 नगा और 1 मुस्लिम हैं। एनडीए के कुल 42 विधायक हैं। इसमें नेशनल पीपल्स फ्रंट के भी 5 विधायक शामिल हैं।

वक्फ बिल में 14 बदलावों को मोदी सरकार ने दी मंजूरी

बजट सत्र के दूसरे चरण में संसद में पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसमें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा दिए गए सुझाव शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिल अब अगले संसद सत्र में पेश किया जाएगा, जो 10 मार्च से शुरू होगा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई।

वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय बंदरगाह विधेयक के साथ मंजूरी दे दी गई और इसे शेष बजट सत्र के लिए सरकार की

प्राथमिकता सूची में जोड़ा गया है। कुल 66 संशोधन पेश किए गए - 23 सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों द्वारा और 44 विपक्ष द्वारा। लेकिन विपक्षी संशोधनों को पार्टी आधार पर खारिज कर दिया गया क्योंकि समिति में भाजपा या उसके सहयोगियों के 16 सांसद और विपक्ष के 10 सांसद हैं।

एक नया विवाद तब छिड़ गया जब विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि संसद में पेश की गई अंतिम जेपीसी रिपोर्ट से उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटा दिए गए हैं। सरकार ने जोर देकर कहा कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया, जेपीसी अध्यक्ष को समिति पर %आक्षेप% लगाने वाले अनुभागों को हटाने का अधिकार था। लेकिन विपक्ष के दबाव में बाद में इस बात पर सहमति बनी कि असहमति नोट को उनके मूल स्वरूप में डाला जाएगा। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 ने वक्फ अधिनियम, 1995 में बड़े बदलाव पेश किए, जो भारत में मुस्लिम धर्मार्थ संपत्तियों के प्रशासन को नियंत्रित करता है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री को दिल्ली विधानसभा की ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। इस दौरान हरियाणा में जारी विभिन्न विकास योजनाओं और स्थानीय निकाय चुनावों पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री के साथ करीब आधा घंटा चली इस मुलाकात के दौरान हरियाणा में जारी प्रादेशिक और केंद्रीय योजनाओं पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सैनी ने हरियाणा में आधारभूत विकास और भविष्य की परियोजनाओं पर प्रधानमंत्री को जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच भविष्य में केंद्र सरकार के साथ मिलकर हरियाणा के सतत विकास और विकसित भारत 2047 के संकल्प में हरियाणा की भागीदारी पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को हरियाणा में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर भी अवगत कराया और उनका महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सहयोग से हरियाणा को और भी विकसित बनाने के लिए कार्य किया जाएगा। सैनी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत के लिए बधाई दी और कहा कि अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिल्लीवासियों को भी केंद्र की हर योजना का लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार के साथ मिलकर चलने से दिल्ली के कार्यों की गति दोगुनी हो जाएगी। मुख्यमंत्री सैनी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी शिष्टाचार मुलाकात की।

विधानसभा के बाहर 7 घंटे तक चला आप विधायकों का प्रदर्शन

*** आज राष्ट्रपति से मिलने जाएंगी आतिशी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष की नेता आतिशी और आप के अन्य विधायकों को गुरुवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने विधानसभा के बाहर ही करीब 7 घंटे तक धरना दिया। आप की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में सत्ता में आने के बाद भाजपा तानाशाही की सभी हदें पार कर रही है। दरअसल, मंगलवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया।

आप विधायकों का कहना है कि वह सीएम कार्यालय से भीमराव आंबेडकर की तस्वीर को कथित तौर पर हटाए जाने का विरोध कर रहे हैं। इस क्रम में गुरुवार को आप नेताओं ने विधानसभा परिसर के गेट के बाहर धरना दिया। इस दौरान डफली की थाप के साथ आप नेताओं ने अंबेडकर की तस्वीरों वाली तख्तियां पकड़ीं और सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ नारे लगाए - भाजपा सुन ले, जय भीम, जय भीम, भाजपा की तानाशाही नहीं चलेगी। करीब सात घंटे चले विरोध प्रदर्शन के बाद विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने कहा कि शुक्रवार को सबसे पहले राष्ट्रपति से मिलने जाएंगे।

राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांगा मिलने का समय

आतिशी ने राष्ट्रपति को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार के दफ्तरों से आंबेडकर और भगत सिंह की फोटो कथित तौर पर हटाए जाने का मुद्दा उठाया। अपने पत्र में उन्होंने लिखा, आपके संज्ञान में एक अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील विषय लाना चाहती हूं, जो भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। दिल्ली में भाजपा की सरकार ने दिल्ली सरकार के विभिन्न दफ्तरों से संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद-ए-आज़म भगत सिंह जी की तस्वीरें हटा दी हैं। यह न

केवल देश के वीर सपूतों का अपमान है बल्कि दलित, पिछड़े और वंचित समाज का भी अपमान है।

प्रयागराज महाकुंभ में नई उपलब्धियों के साथ बने तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

-सीएम योगी, डिप्टी सीएम मौर्य और ब्रजेश पाठक सर्टिफिकेट लिए दिखे

लखनऊ। 45 दिनों तक चले प्रयागराज महाकुंभ में नई उपलब्धियों के साथ-साथ कई नए रिकॉर्ड बने हैं। जिसके लिए गुरुवार को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम की ओर से सर्टिफिकेट सौंपे गए हैं। इस मौके पर खुशी जताकर उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं। जिसमें सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक अपने हाथों में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के सर्टिफिकेट लिए हुए दिख रहे हैं। सीएमओ ने एक्स पर लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में महाकुंभ-2025, प्रयागराज के भव्य आयोजन से देश-दुनिया अचंभित है। 45 दिन चले कुंभ महापर्व में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा एक साथ नदी की सफाई करने, सबसे ज्यादा कार्यकर्ताओं द्वारा एक साथ एक जगह पर सफाई करने तथा 8 घंटे में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा हैंड प्रिंट पेंटिंग करने का कीर्तिमान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थापित कर एक नया इतिहास रचा गया है। दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाला विश्व का महा समागम का पर्व रिकॉर्ड का महाकुंभ भी बना है।

पन्नू का आरोप, पीएम मोदी के कहने पर डोभाल ने रची साजिश

-अपनी याचिका की प्रति भारतीय शीर्ष खुफिया अधिकारी को सौंपी

नई दिल्ली। सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश से जुड़े मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिकी संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, पन्नू ने अपनी याचिका की प्रति भारतीय शीर्ष खुफिया अधिकारी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को सौंप दी है।

पन्नू की याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारत सरकार, डोभाल और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए हायर किया था। यह साजिश तब विफल हो गई जब गुप्ता द्वारा हायर किया गया शूटर असल में एक अंडरकवर अमेरिकी एजेंट निकला। याचिका में बताया गया है कि यह मर्डर फॉर हायर साजिश भारत सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा थी, जिसमें सिख कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया। इनमें वे लोग शामिल हैं जो पंजाब में सिखों के आत्मनिर्णय के अधिकार की मांग कर रहे हैं,

अदालत में पेश किए नए दस्तावेजों के मुताबिक, पन्नू ने दो कानूनी एजेंसियों और एक निजी जांचकर्ता की मदद से अमेरिका में डोभाल के दौरे के दौरान उन्हें समन सौंपने की व्यवस्था की। अमेरिकी अदालत में दायर घोषणाओं के अनुसार, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने समन स्वीकार करने से इंकार किया था, हालांकि इस उस स्थान पर भी भिजवाया गया जहां डोभाल ठहरे हुए थे। इसके बावजूद, अमेरिकी अदालत के 12 फरवरी 2025 के आदेश के तहत, डोभाल को वैकल्पिक माध्यमों से समन जारी किया गया। अगर समन देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, तब डोभाल को 21 दिनों के भीतर अमेरिकी अदालत में पन्नू के मुकदमे का जवाब देना होगा। पन्नू ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर, डोभाल और उनके सहयोगियों ने अमेरिकी संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची, सिर्फ इसलिए कि उसने अपने राजनीतिक विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, मुझे अमेरिकी न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और मुझे यकीन है कि सीमा-पार दमन (ट्रांसनेशनल रेप्रेशन) में शामिल अपराधियों को आपराधिक और दीवानी अदालत में न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

मैं जन्मजात से कांग्रेसी हूं, कांग्रेस दफ्तर मेरा मंदिर है, बीजेपी में जाने की खबरें बकवास

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सियासी अफवाहों पर लगाया ब्रेक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस का दफ्तर मेरा मंदिर है। मैं जन्मजात से कांग्रेसी हूं...मेरी व्यक्तिगत मान्यताएं नहीं बदली हैं। मैं हिंदू ही पैदा हुआ और हिंदू ही मरूंगा। यह कहना है कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का।

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक चल रहे सियासी अफवाहों पर ब्रेक लगाने की कोशिश की। ये अफवाहें जैसे कि डीके शिवकुमार कर्नाटक का सीएम बनने के लिए आलाकमान पर दबाव डाल रहे हैं, बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं आदि। इस दौरान शिवकुमार ने महाकुंभ को लेकर कहा कि सद्गुरु जग्गी वासुदेव के आश्रम की यात्रा और हिंदुत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वे जन्मजात कांग्रेसी हैं और बीजेपी के करीब होने की खबरें बकवास और बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि मैं एक कांग्रेसी के रूप में पैदा हुआ हूं मेरी व्यक्तिगत मान्यताएं वही हैं, लेकिन एक गलत कहानी फैलाई जा रही है कि मैं बीजेपी के करीब जा रहा हूं। शिवकुमार ने मीडिया में आई उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था

कि उन्होंने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल से अनुरोध किया है कि वे उन्हें केपीसीसी अध्यक्ष पद पर बने रहने दें। उन्होंने कहा कि यह झूठ है, ये मनगढ़ंत खबरें हैं। ऐसी कई कहानियां गढ़ी जा रही हैं।

धार्मिक हस्तियों के साथ अपने जुड़ाव को लेकर उठे विवाद का जिक्र करते हुए डीके ने कहा कि सद्गुरु मेरे घर आए और मुझे ईशा फाउंडेशन के कार्यक्रम में आमंत्रित किया। वह मैसूर से हैं और मैं उनकी बुद्धिमत्ता का सम्मान करता हूं। पिछले साल मेरी बेटी उनके कार्यक्रम में शामिल हुई थी। इस बार उन्होंने मुझे और मेरे परिवार को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। इस वजह से सोशल मीडिया पर झूठे दावे किए जा रहे हैं कि मेरा झुकाव बीजेपी की ओर है।

महाकुंभ मेले और ईशा फाउंडेशन को शिवकुमार ने कहा कि मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ था और हिंदू के रूप में ही मरूंगा। मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। मैं दरगाह और चर्च भी जाता हूं। हर समुदाय मुझे गले लगाता है। महाकुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय था। इतनी बड़ी भीड़ को संभालना आसान काम नहीं है। कुछ छोटी-मोटी असुविधाएं तो होंगी ही, लेकिन मैं यहां खामियां निकालने नहीं आया हूं। आस्था के मामले में, यह भगवान के साथ एक भक्त के रिश्ते की बात है, कुछ लोग सीधे जुड़ते हैं, जबकि अन्य पुजारियों के माध्यम से जुड़ते हैं।

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को जलाने का रास्ता साफ...

भोपाल/पीथमपुर। यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को जलाने का रास्ता साफ हो गया है। अब भोपाल का जहरीला कचरा पीथमपुर में ही जलेगा। इसकी खबर मिलते ही आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। कचरा जलाने का विरोध करने वालों का कहना है कि वे इस मामले में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। वहीं प्रशासन की तैयारी को देखते हुए अब लगता है की यूनियन कार्बाइड के कचरा जलाने का रास्ता साफ हो गया है। इलाके मे सुरक्षा व्यवस्था के माकूल एवं पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इंदौर कमिश्नर दीपक सिंह ने बताया कि यूनियन कार्बाइड के दस टन कचरे को जलाने के ट्रायल की कार्रवाई पूरी तरीके से वैज्ञानिक पद्धति से होगी। लिहाजा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्र ने इस पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसे सर्वोच्च अदालत ने खारिज कर दिया। गुरुवार सुबह मामले को लेकर हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता चाहें तो इस संबंध में हाई कोर्ट के समक्ष आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। कोर्ट ने शासन के उस जवाब को भी रिकॉर्ड पर ले लिया है, जिसमें कहा है कि कचरा जलाने के दौरान सभी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। कोर्ट के इस रुख के बाद पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के रासायनिक कचरे के निष्पादन का ट्रायल गुरूवार से शुरू हुआ। इस दौरान सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम रामकी एनवायरो कंपनी में मौजूद रही। फैक्ट्री में कचरा जलाने का दूसरा ट्रायल 4 मार्च और तीसरा 12 मार्च से शुरू होगा। इधर, कचरा जलाने के ट्रायल को लेकर प्रशासन सतर्क है। 3 जनवरी को हुए विरोध को देखते हुए प्रशासन कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। लिहाजा, इंदौर देहात और धार जिले के 24 थानों से 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी पीथमपुर में रामकी एनवायरो फैक्ट्री के पास तैनात किए गए हैं।

आज से कचरा जलाने का काम होगा शुरू

पीथमपुर में रि-सस्टेनेबिलिटी कंपनी के परिसर में पिछले दो माह से रखे यूनियन कार्बाइड के 337 टन कचरे के 12 कंटेनर में कुछ कंटेनर को गुरुवार को खोला गया। कंटेनर से कचरे को निकालकर उसमें मौजूद हानिकारक तत्वों पर नियंत्रण के लिए सोडियम सल्फाइड जैसे रसायन मिलाए जाएंगे। गुरुवार से ही इंसीनरेटर में ड्राई रन शुरू हो गया है और 12 घंटे तक इंसीनरेटर को चालू कर इसके प्रथम चेम्बर में 850 से 900 डिग्री सेल्सियस व दूसरे चेम्बर में 1100 से 1200 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंचाया जाएगा।

पिछली सुनवाई में सरकार से मांगा था जवाब

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार से पूछा था कि धार जिले के पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री का कचरा जलाने के दौरान कोई घटना होगी, तो उससे निपटने के लिए उसके पास क्या इंतजाम हैं। गुरुवार को सरकार ने जवाब दाखिल कर दिया। याचिका में आरोप था कि कचरा जलाने के दौरान अकस्मात आपदा होने की स्थिति में आपदा प्रबंधन के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

कर्नाटक के होटलों में बनने वाली इडली को लेकर बड़ा खुलासा

52 होटलों में बन रही थी प्लास्टिक शीट की इडली

बेंगलुरु (एजेंसी)। आमतौर पर लोग दक्षिण भारतीय व्यंजन इडली को बेहद चाव से खाते हैं लेकिन इसको लेकर कर्नाटक में एक बड़ा खुलासा हुआ है जिसके बाद राज्य सरकार ने 52 होटलों पर कार्रवाई की है। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में 52 होटलों में इडली बनाने के लिए पॉलीथीन शीट के अवैध इस्तेमाल का खुलासा किया है जिससे लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। इसको लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इडली बनाने में विशेष रूप से पतली पॉलीथीन शीट का उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है, क्योंकि यह कैंसरकारी (कार्सिनोजेनिक) होती है। सरकार इस तरह की हानिकारक चीजों के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।दरअसल खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने कर्नाटक के 250 स्थानों से इडली के नमूने एकत्र किए थे। स्वास्थ्य मंत्री राव ने कहा कि पहले पारंपरिक रूप से इडली पकाने के लिए कपड़े का उपयोग किया जाता था, लेकिन हमें कुछ होटलों में प्लास्टिक शीट का उपयोग किए जाने की शिकायत मिली थी। इसी आधार पर हमने जांच की और 52 होटलों में प्लास्टिक का अवैध उपयोग पाया।

प्लास्टिक से सेहत को गंभीर खतरा

जांच के दौरान मिले चौंकाने वाले नतीजों से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि गर्म होने पर प्लास्टिक के हानिकारक तत्व इडली में मिल सकते हैं, जिससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती है।

सरकार की सख्त कार्रवाई

मंत्री ने कहा कि दोषी होटलों पर पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है, और सरकार खाद्य व्यंजनों में प्लास्टिक के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि वो किसी होटल या रेस्टोरेंट में प्लास्टिक का उपयोग होता देखें तो तुरंत अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

रंगीन फूड कलर पर भी प्रतिबंध

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि 2024 में कर्नाटक सरकार ने रॉडामिन-बी नामक खतरनाक खाद्य रंग पर प्रतिबंध लगाया था, जिसका व्यापक रूप से गोभी मंचूरियन और कॉटन कैंडी जैसे खाद्य पदार्थों में उपयोग किया जाता था। राव ने कहा कि हमने गोभी मंचूरियन की जांच के दौरान पाया कि इसमें खतरनाक

रॉडामिन-बी रंग का उपयोग किया जा रहा था। यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, इसलिए हमने इसे प्रतिबंधित कर दिया है। यदि कोई इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो उसे सात साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है, और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के आरोप में दो गिरफ्तार

बदायूं (उप्र)। बदायूं जिले में केंद्रीय मंत्री बी. एल. वर्मा के बारे में फेसबुक पर अपमानजनक पोस्ट करने और भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के एक नेता को धमकाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह घटना बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में हुई, जहां भाजयुमो के नगर अध्यक्ष विवेक राष्ट्रवादी ने मंगलवार को तीन व्यक्तियों- मनवीर शाक्य, रूपेश शाक्य और गौरव के खिलाफ फेसबुक पर मंत्री के बारे में अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट करने के लिए शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि जब राष्ट्रवादी ने उन्हें फोन करके पोस्ट के बारे में पूछा तो उन्होंने कथित तौर पर गाली-गलौज की और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर मनवीर और रूपेश को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर राहुल चौहान ने बताया, 'मनवीर को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा जबकि रूपेश को कादर चौक पुलिस ने गिरफ्तार किया। मेडिकल जांच के बाद बृहस्पतिवार को उन्हें उप जिलाधिकारी अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस तीसरे आरोपी गौरव की तलाश कर रही है।

रेप आरोपी सांसद को नहीं मिली जमानत

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को गुरूवार को भी जमानत नहीं मिल सकी है। कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। विवेचनाधिकारी ने मामले की जांच पूरी करने के लिए 10 दिन का समय मांगा है। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 11 मार्च तय की है। विवेचनाधिकारी ने कोर्ट को बताया कि मामले में अभी कुछ महत्वपूर्ण जांच बाकी है। इसके लिए उन्हें 10 दिन का समय चाहिए। कोर्ट ने विवेचनाधिकारी की मांग को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने कहा- जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती राकेश राठौर न्यायिक हिरासत में रहेंगे। जमानत याचिका पर अंतिम निर्णय अगली सुनवाई पर होगा। जांच पूरी होने तक जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा जा रहा है। दरअसल, राकेश राठौर सीतापुर से कांग्रेस पार्टी से सांसद हैं। उनके खिलाफ यौन शोषण का आरोप है।

नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर चित्रकूट पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कहा- सदियों तक रहेगा उनका प्रभाव

चित्रकूट, । नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम में हिस्सा लेने को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को चित्रकूट पहुंचे। विशेष विमान से यहां पहुंचे अमित शाह का स्वागत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया। गृहमंत्री के साथ मुख्यमंत्री ने नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गृहमंत्री अमि?त शाह ने कहा कि नानाजी का सपना था कि ग्रामीण भारत को सशक्त बनाकर देश निर्माण का मजबूत माध्यम तैयार किया जाए, इसके लिए वे जीवन भर प्रतिबद्ध रहे। अमित शाह ने कहा कि आज तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पहला नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम, दूसरा दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा का लोकार्पण, और तीसरा राम दर्शन पर आधारित प्रस्तुति का लोकार्पण। शाह ने इस मौके पर भगवान कामतानाथ को प्रणाम कर अपनी बात शुरू की। उन्होंने इस मौके पर नाना जी को याद किया। उन्होंने नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनका प्रभाव सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं, बल्कि युगों तक रहता है और वे युगों को परिवर्तनकारी बनाने का काम करते हैं। नानाजी का योगदान भी ऐसे ही था। वह हमेशा याद किए जाएंगे। गृहमंत्री ने नानाजी द्वारा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में गोकुल गांव जैसी योजनाओं का कार्य हो रहा है, और यह सब नानाजी के चिंतन और क्रियान्वयन का परिणाम है। नाना जी ने समाज के लिए बहुत काम किया। अमित शाह ने यह भी बताया कि वे दीन दयाल शोध संस्थान से कई वर्षों तक जुड़े रहे हैं, और इस संस्थान की मासिक पत्रिका 'मंथन' ने भारतीय जनता पार्टी और इसके कार्यकर्ताओं के लिए विचारधारा को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। उन्होंने इसे पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बताया और कहा कि मंथन का स्थान वेद और उपनिषदों से भी ऊंचा है।

महाशिवरात्रि पर 11 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर 11.69 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के चरणों में हाजिरी लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन ने दर्शनार्थियों की सुरक्षा, सुविधा और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए थे। वहीं काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन की देखरेख में श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की समुचित व्यवस्था की गई थी। प्रातः काल से ही मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का रेला लग गया था। सभी ने बाबा के दर्शन कर श्रद्धा से जलाभिषेक किया। महाशिवरात्रि पर काशी में जनसमुद्र उमड़ा रहा। वहां अभी भी श्रद्धालुओं का निरंतर आना जारी है ।महाशिवरात्रि पर भी काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का आना निरंतर जारी रहा। भीड़ का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि सुबह तक ही लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर लिया। जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती गई।

काशी में भी श्रद्धालुओं पर कराई थी पुष्पवर्षा

महाशिवरात्रि पर्व पर बुधवार को भगवान शिव की नगरी काशी में योगी सरकार ने श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराकर इस अवसर को और भी भव्य बना दिया। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम और गंगा घाटों पर हुई इस पुष्पवर्षा ने श्रद्धालुओं को आनंदित कर दिया। योगी सरकार ने धार्मिक आस्था को सम्मान देने की परंपरा को कायम रखते हुए इस महत्वपूर्ण पर्व पर भी पुष्पवर्षा की व्यवस्था की। पुष्पवर्षा के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया।

फरवरी में श्रद्धालु पहुंचे बाबा के दर

फरवरी मास में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का काशी विश्वनाथ धाम में निरंतर आना होता रहा। इनमें से कई तिथियों पर छह लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। अन्य तिथियों में भी चार से पांच लाख श्रद्धालुओं का बाबा के धाम में आना जारी रहा। श्रद्धालुओं का काशी व विश्वनाथ धाम में आना निरंतर आना जारी है।

महाशिवरात्रि पर श्री रामजन्मभूमि में 4 लाख से अधिक दर्शनार्थी पहुंचे

-26 जनवरी से अब तक 1.75 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं अयोध्या

अयोध्या, । महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री रामजन्मभूमि मंदिर प्रांगण में कुबेर टीला पर स्थापित शिवालय में भक्तों ने भाव से भगवान शंकर का पूजन-अर्चन किया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया कि मंदिर में अपार जनसागर प्रभु श्री रामलला सरकार के दर्शनों के लिए लगातार उमड़ रहा है। रामनगरी में महा शिवरात्रि पर एक बार फिर से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही शुरू हुआ श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला शाम तक जारी रहा। लाखों श्रद्धालुओं ने घाटों पर स्नान के बाद दान कर पुण्य कमाया। आज श्रद्धालुओं ने नागेश्वर नाथ मंदिर के बाद मठ-मंदिरों का रुख किया। हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन के लिए देर रात श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। महाशिव रात्रि को देखते हुए एक दिन पहले से ही श्रद्धालु जुटने शुरू हो गए थे। रोजाना चार लाख के करीब श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक 26 जनवरी से अब तक पौने दो करोड़ के लगभग श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। करीब प्रतिदिन लगभग 10 से 15 लाख के बीच श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मकर संक्रांति से अयोध्या में श्रद्धालुओ के आने का क्रम जारी है। 26 जनवरी के बाद से अयोध्या खचाखच भरी हुई है। आलम यह है कि रामपथ, भक्तिपथ व धर्मपथ जैसे बड़े-बड़े मार्ग भी लाखों श्रद्धालुओं के सामने छोटे पड़ गए। जगह-जगह चल रहे भंडारेअयोध्या के आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में हर कोई जुटा हुआ है। पुण्य कमाने की होड़ मची हुई है। कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने भंडारे का आयोजन किया है। अयोध्या कैंट पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए भाजपा ने पार्टी कार्यालय के बाहर भंडारे का आयोजन किया है। सुबह पांच से शुरू हुआ रामलला दर्शनहर एक श्रद्धालु को दर्शन मिल सके, इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने माघी पूर्णिमा पर सुबह पांच बजे रामलला के श्रृंगार के साथ ही दर्शन की प्रक्रिया शुरू कर दी। रात 10 बजे तक श्रद्धालुओ ने दर्शन पूजन किया।

योगी ने संगम तट पर किया स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 का आज शुक्रवार को महाकुंभ का औपचारिक समापन हो गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 के सकुशल संपन्न होने पर बृहस्पतिवार को यहां गंगा की विधि विधान से पूजा-अर्चना की। इससे पहले अरैल घाट पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। सीएम योगी ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में सफाई अभियान की शुरुआत की। योगी और अफसर मेला क्षेत्र में झाड़ू से सफाई करते दिखे। सीएम योगी ने स्वच्छता का संदेश दिया। सीएम योगी ने अधिकारियों को गंगा घाटों की पूरी सफाई कराने का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने का सेक्टर 24 में स्थित रानी दुर्गावती पंडाल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मंच पर 15 सफाईकर्मियों और दो स्वास्थ्य कर्मी को प्रशस्ति पत्र और किट भेंटकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य कर्मी में केंद्रीय अस्पताल की मैट्रन रमा सिंह और वार्ड ब्वाय विशाल गुप्ता को सम्मानित किया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से अरैल में बने हेलीपैड पर उतरे और वहां से संगम गए जहां पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक और मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने गंगा की पूजा अर्चना के साथ ही गंगा आरती भी की और घाट वापस लौटते समय साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी खिलाया।

66.30 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया

आपको बता दें कि महाकुंभ के छठवें और आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर आस्था का सैलाब दिखाई दिया। संगम तट पर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा। अब तक किसी भी महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर ऐसा दृश्य नहीं दिखा। बुधवार रात आठ तक 66.30 करोड़ ने किया स्नान महाकुम्भ के प्रारंभ यानी 13 जनवरी से लेकर 25 फरवरी की रात आठ बजे तक 64.77 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था। बुधवार रात आठ बजे तक स्नान करने वाले 1.53 करोड़ श्रद्धालुओं को जोड़ लिया जाए तो अब तक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 66.30 करोड़ हो चुकी है।

संभल हिंसा मामला: जेल में बंद 17 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा हुई थी। इस मामले में जेल में बंद 17 आरोपियों की कोर्ट ने गुरुवार को जमानत याचिका खारिज कर दी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट इससे पहले 42 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर चुका है। बवाल के आरोप में जेल में बंद अब तक कुल 59 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज की जा चुकी है। कोर्ट का कहना है कि सभी आरोपियों पर गंभीर आरोप हैं।

शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश सैनी ने गुरुवार को बताया कि शाही जामा मस्जिद प्रकरण में 29 लोगों के प्रार्थना पत्र पहले खारिज हो चुके हैं। कोर्ट में आज 17 जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई है। सभी 17 याचिकाओं को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कुल मिलाकर अब 59 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज की जा चुकी है।

जानकारी के अनुसार, संभल हिंसा मामले में 80 आरोपी जेल में बंद हैं। हालांकि, आरोपी पक्ष के वकीलों ने हाल में जमानत याचिका खारिज होने पर हाईकोर्ट जाने की बात कही थी।

संभल के एसपी कृष्ण बिश्नोई ने शुक्रवार (21 फरवरी) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया था कि 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के मामले में अब तक कुल 12 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिसमें से सात मामले संभल कोतवाली, चार मामले नखासा थाने और एक जीरो एफआईआर मुरादाबाद में दर्ज की गई है। छह मामलों में पुलिस ने चार्जशीट पेश कर दी है। सबसे पहले लिखी गई दो एफआईआर में उपनिरीक्षक शाह फैसल की पर्सनल बुलेट और सरकारी गाड़ियों को आग लगाने का प्रयास किया गया। सरकारी गाड़ी जल गई, जबकि उपनिरीक्षक की पर्सनल गाड़ी को जलने से बचा लिया गया। सीसीटीवी के आधार पर इस मामले में 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

उन्होंने कहा कि दूसरे मामले में एक अपराधी ने फायरिंग की थी, जिसमें 25 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इसके अलावा एक और मामले में 21 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया था। नामजद अभियुक्त समेत 53 लोगों के खिलाफ इसमें चार्जशीट दायर की गई है। चौथे मामले में एसडीएम पथराव के दौरान घायल हुए थे। उसमें 37 लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। साथ ही कोतवाली क्षेत्र के एक मामले में सीओ को पैर में गोली लगी थी। इस केस में 38 लोगों के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई है।

इसके अलावा, जामा मस्जिद के पास हथियारों को लूटने के मामले में 39 लोगों को जेल भेजा गया है। एसपी कृष्ण बिश्नोई ने बताया कि छह मुकदमों में शुरुआत से 36 लोग नामजद थे। इसके बाद 123 लोगों के नाम प्रकाश में आए थे। कुल मिलाकर 159 लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनमें से 80 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। साथ ही 79 लोगों की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

रेलमंत्री वैष्णव पहुंचे प्रयागराज जंक्शन, अधिकारियों का जताया आभार

- कहा-महाकुंभ से मिली सीख के आधार पर रेलवे मैनुअल में होंगे स्थायी सुधार

महाकुम्भनगर (प्रयागराज) (एजेंसी)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव आज प्रयागराज जंक्शन पहुंचे। रेलवे अधिकारियों से मुलाकात कर महाकुम्भ के दौरान रेलवे की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ का आयोजन भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह भव्य आयोजन संभव हुआ। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने बिहार और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों का भी आभार जताया। वैष्णव ने कहा इन दोनों के सहयोग से रेलवे ने बेहतर समन्वय स्थापित किया और श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा की सुविधा दी। रेलमंत्री ने बताया कि प्रारंभ में रेलवे ने 13 हजार ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई थी, लेकिन श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या को देखते हुए 16 हजार से अधिक ट्रेनों का सफल संचालन किया गया। इस दौरान लगभग 4.5 से 5 करोड़ श्रद्धालु सुरक्षित रूप से महाकुम्भ पहुंचे और संगम स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। रेलवे ने राज्य पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी और रेपिड एक्शन फोर्स के साथ मिलकर अभूतपूर्व समन्वय स्थापित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार, श्रद्धालुओं को केवल भीड़ न समझकर उनकी श्रद्धा और भक्ति को प्राथमिकता दी गई। इसी दृष्टिकोण से रेलवे ने कई नवाचार किए, जिनमें खुशरोबाग, झूंसी, नैनी, छिवकी, प्रयाग जंक्शन और प्रयागराज जंक्शन में बड़े होर्डिंग एरिया विकसित किए गए। इससे यात्रियों को सुगमता मिली और भीड़ नियंत्रण प्रभावी ढंग से किया गया। महाकुम्भ के 45 दिनों के इस महाआयोजन में रेलवे के विभिन्न विभागों ने अत्यंत समन्वित रूप से कार्य किया, जिससे संपूर्ण व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहीं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी गई। रेलमंत्री वैष्णव ने कहा कि इस महाकुम्भ से मिली सीख को रेलवे मैनुअल में स्थायी रूप से शामिल किया जाएगा, ताकि भविष्य में अन्य बड़े आयोजनों में इसका लाभ उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि रेलवे इस ऐतिहासिक अनुभव के आधार पर अपने भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं में नए सुधार लाएगा, जिससे देशभर में यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

अमेठी के संजय गांधी अस्पताल में मरीज की मौत के बाद हंगामा

अमेठी (एजेंसी)। अमेठी जिले के मुंशीगंज क्षेत्र स्थित संजय गांधी अस्पताल में एक मरीज की मौत के बाद उसके परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने और शराब के नशे में ऑपरेशन करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अमेठी की पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि मृतक शिवराम (75) के परिजनों की तरफ से इलाज में लापरवाही का शिकायत पत्र मुंशीगंज थाने में दिया गया है। मुकदमा दर्ज करने की कार्यवाही चल रही है। मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल परिसर में भारी संख्या में पुलिस तैनात है।

परिजन द्वारा दी गयी शिकायत के मुताबिक गौरीगंज थाना क्षेत्र के मऊ गांव निवासी मरीज शिवराम मिश्र को 26 फरवरी को शाम संजय गांधी चिकित्सालय में इलाज के लिए लाया गया था। उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई है।

शिवराम के पुत्र देव प्रकाश मिश्र ने तहरीर में कहा कि वह पिता को सीने में दर्द होने पर संजय गांधी अस्पताल ले गए थे।

मिश्र का आरोप है कि हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सत्येंद्र तिवारी उनके पिता शिवराम को ऑपरेशन थिएटर ले गए और उनका ऑपरेशन किया। मिश्र का आरोप है कि डॉ. तिवारी के साथ मौजूद डॉक्टर संजय द्विवेदी शराब के नशे में थे जिनकी घोर लापरवाही के चलते उनके पिता की मौत हो गयी।

मिश्र ने दावा किया कि उन लोगों ने डॉक्टर द्विवेदी को पकड़कर मौके पर पहुंची पुलिस को सौंप दिया लेकिन पुलिस ने उन्होंने छोड़ दिया।

मरीज की मौत से नाराज परिजन व उनके रिश्तेदार रातभर अस्पताल परिसर में हंगामा करते रहे और आरोपी डॉक्टर को पेश करने की मांग पर अड़े रहे। उधर प्रशासन ने हंगामे के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की है।

अमेठी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर अंशुमान सिंह ने बताया कि इस मामले में उनकी तरफ से तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया जा रहा है। जांच टीम की रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संजय गांधी अस्पताल के मुख्य अधिशासी अधिकारी अवधेश शर्मा ने बताया कि मरीज शिवराम मिश्रा को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में लाया गया था। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सत्येंद्र तिवारी और उनकी टीम द्वारा जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता समझने पर उनका ऑपरेशन किया गया लेकिन इस दौरान उन्हें दोबारा दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई। मिश्रा को कुछ समय के लिए वेंटिलेटर पर भी उन्हें रखा गया था लेकिन डॉक्टरो की टीम उन्हें नहीं बचा नहीं सकी।

डॉक्टर के शराब के नशे में होने के सवाल पर शर्मा ने कहा कि आरोपों की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोप सही पाए जाने पर उनके (आरोपी चिकित्सक के) खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई को लेकर की भाजपा सरकार की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इस कदम से पूरा बीमा उद्योग खतरे में पड़ गया है।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बीमा पॉलिसीधारकों के नाम संदेश में कहा, 'प्रिय भारत के बीमाधारकों, बीमा जैसे संवेदनशील-संकटकालीन उपचार में 100 फीसदी विदेशी पूंजी निवेश को अनुमति देना क्या भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 'बीमा क्षेत्र' को ही जोखिम में डालना नहीं है?'

उन्होंने कहा कि कई बार विभिन्न कारणों से वैदेशिक संबंधों में उतार-चढ़ाव और खटास के दौर भी आते हैं। ऐसे में कुछ भी व्यवधान आया तो विदेशी कंपनी की ज़िम्मेदारी और जवाबदेही कैसे सुनिश्चित की जाएगी? इस अनिश्चितता का बीमा कौन करेगा?

यादव ने सवाल किया ''क्या अपने देश के बीमाधारकों के अधिकारों की 100 फीसदी गारंटी लेने के लिए भाजपा जैसी जुमला सरकार पर देशवासी भरोसा कर सकते हैं?'

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन नये प्रावधानों से विदेशी बीमा कंपनियों के हितों की तो 100 फीसदी सुरक्षा हो जाएगी लेकिन बीमा लेने वाले देशवासियों का क्या होगा ?

उन्होंने कहा कि ये विदेशी कंपनियाँ जमा हुई बीमा राशि को देश में ही निवेश करती हैं फिर भी यह सवाल तो उठेगा ही कि क्या वे लाभ का आधा भी हमारे देश में लगाएंगी या पूरा ही अपने देश ले जाएंगी। ''ये बातें साफ होनी चाहिए। इस मामले में जल्दबाज़ी अच्छी नहीं है।'

सपा प्रमुख ने कहा, 'भाजपा सरकार यह भी गारंटी दे कि वह विदेशी कंपनियों के लाभ में से चंदा वसूली कर, पीठ पीछे प्रीमियम बढ़ाकर जनता की जेब पर डाका नहीं डालेगी। अगर भाजपा को सच में जनता का ख़्याल है तो उन्होंने अपने शासन काल में बीमा प्रीमियम पर जो टैक्स थोप दिया है, उसे हटाए।'

उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवा का दायरा बढ़ाकर लोगों की जीवन प्रत्याशा बढ़ाने और उनको मेडिकल के ख़र्चों से बचाने की ज़िम्मेदारी सरकार की ही है, ऐसे में वह जीवन बीमा या स्वास्थ्य-चिकित्सा बीमा जैसे जनता से सीधे जुड़े क्षेत्रों पर टैक्स लेने का अधिकार नहीं रखती है।

यादव ने कहा, 'भाजपा की सबसे बड़ी कमी यही है कि वह जनता को 'नागरिक' नहीं, 'ग्राहक' समझती है। भाजपा की सोच व्यावसायिक है, इसीलिए वह 'लाभ' के बारे में सोचती है, जनकल्याण के बारे में नहीं।'

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 74 से 100 प्रतिशत तक की उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा की थी। इससे वैश्विक बीमा दिग्गजों के प्रवेश, पर्याप्त विदेशी निवेश और भारतीय बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का मार्ग प्रशस्त हुआ।

महाकुंभ के सकुशल समापन पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गंगा पूजन किया

महाकुंभ नगर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 के सकुशल संपन्न होने पर बृहस्पतिवार को यहां गंगा की विधि विधान से पूजा अर्चना की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से अरैल में बने हेलीपैड पर उतरे और वहां से संगम गए जहां पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक और मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने गंगा की पूजा अर्चना के साथ ही गंगा आरती भी की और घाट वापस लौटते समय साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी खिलाया। मुख्यमंत्री दिन में स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित करेंगे।

यूपी में 95.97 लाख लोगों ने खाई फाइलेरिया रोधी दवा, बचे लोग 4 मार्च तक खाएंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए प्रदेश के 14 जिलों में चले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान में 95.97 लाख लोगों ने दवा खाई। वहीं, लक्षित 1.10 करोड़ में बचे लोगों को अब मापअप राउंड के दौरान 4 मार्च तक दवा खिलाई जाएगी। अभियान की गंभीरता और सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस एमडीए राउंड में दवा खाने से इनकार करने वाले परिवारों की संख्या काफी कम देखने को मिली। राज्य कार्यक्रम अधिकारी फाइलेरिया डॉ. एके चौधरी के अनुसार, एमडीए राउंड 10 से 25 फरवरी तक प्रदेश के 14 जिलों के 45 ब्लॉक में चलाया गया, जिसमें कुल 1.10 करोड़ लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया। लक्ष्य के सापेक्ष 95.97 लाख लोगों को दवा खिलाई गई। प्रयागराज, लखनऊ और बरेली ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने बताया कि शत-प्रतिशत लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने के लिए एमडीए राउंड का मापअप राउंड 27 फरवरी से 4 मार्च तक चलाया जाएगा ताकि जो लोग छूट गए हैं, उन्हें भी कवर किया जा सके। डॉ. चौधरी ने बताया कि देश-प्रदेश से वर्ष 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को छूने के लिए जरूरी है कि इसी वर्ष एमडीए राउंड को खत्म किया जाए इसलिए शत-प्रतिशत लोगों तक पहुंचना जरूरी है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से मापअप राउंड में अति गंभीरता दिखाने के लिए और बचे प्रत्येक व्यक्ति को दवा खाने की अपील की है। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने एमडीए अभियान की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि अब सभी जिले मापअप राउंड के दौरान प्रत्येक छूटे व्यक्ति तक पहुंचें और उसे फाइलेरियारोधी दवा खिलाएं। इसके लिए अन्य विभागों का भी सहयोग लें। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि मापअप राउंड के दौरान मॉनिटरिंग प्रक्रिया को मजबूत करें और शत-प्रतिशत आच्छादन के लक्ष्य को प्राप्त करें। उन्होंने जनसामान्य से भी सहयोग की अपील की है, जिससे 2027 तक प्रदेश को फाइलेरिया मुक्त किया जा सके।

फाइलेरिया के लक्षण - बुखार, दर्द तथा प्रभावित शरीर के हिस्से में सूजन। अंगों, जननांगों या स्तनों में सूजन। व्यक्ति को प्रभावित क्षेत्र में असुविधा या दर्द का अनुभव।

महाकुंभ में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस

-सीएम योगी ने किया ऐलान

प्रयागराज । प्रयागराज महाकुंभ के समापन के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महाकुंभ में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस देने की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार यह सुनिश्चित करने जा रही है कि अप्रैल से सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन 16,000 रुपये दिया जाए और अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना से जोड़कर सभी कर्मचारियों को जन आरोग्य बीमा का लाभ मिलेगा। योगी ने महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में उनकी भूमिका के लिए प्रयागराज में स्वच्छता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया, स्वच्छ कुंभ कोष और आयुष्मान योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए और बाद में उनके प्रयासों को स्वीकार करने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए। इससे पहले दिन में सीएम योगी और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने प्रयागराज के अरैल घाट पर सफाई अभियान में भाग लिया।

यमुना एक्सप्रेसवे, इंटरनेशनल फिल्म सिटी का ठेका मिला Bayview Projects कोसरस आजीविका मेला-2025 का विधिवत उद्घाटन किया गया

फ्यूचर लाइन टाईम्स
ग्रेटर नोएडा, 27 फरवरी 2025 – उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना इंटरनेशनल फिल्म सिटी के विकास की प्रक्रिया अब तेज हो गई है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) ने सेक्टर-21 में इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के लिए भूमि चिन्हित कर दी है।

Bayview Projects को मिला सबसे बड़ा ठेका

ढढढ मॉडल के तहत इस फिल्म सिटी के निर्माण के लिए 230 एकड़ भूमि को फेज-1 में विकसित किया जाएगा। सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, परियोजना के लिए 30 सितंबर 2023 को ई-टेंडर के माध्यम से वैश्विक स्तर पर निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। इसके तहत Bayview Projects LLP ने 18% ग्रॉस रेवेन्यू शेयर का उच्चतम प्रस्ताव दिया, जिसे एक्ळ्अ की पीपीपीबीई समिति ने स्वीकार कर लिया।

निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू

उत्तर प्रदेश सरकार ने Bayview Projects LLP को विजेता घोषित कर 11 मार्च 2024 को Letter of Award जारी कर दिया। इसके बाद M/s Bayview Bhutani Film City Pvt. Ltd नामक एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) का गठन किया गया, जो इस फिल्म सिटी का निर्माण और प्रबंधन करेगा।

YEIDA और Bayview Projectsके बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर

27 जून 2024 को YEIDA के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह और Bayview Projects के अंकित भूटानी के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता इस मेगा प्रोजेक्ट के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

लेआउट प्लान को मिली मंजूरी, ROW भी प्रदान किया गया

30 जनवरी 2025 को फिल्म सिटी के लेआउट और मास्टर प्लान को परियोजना अधिकारी द्वारा मंजूरी दी गई। इसके बाद 27 फरवरी 2025 को YEIDA ने कंसेशनएयर को फिल्म सिटी साइट का Right of Way (ROW) भी प्रदान कर दिया, जिससे निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश को मिलेगा नया सिनेमा हब

यह फिल्म सिटी भारतीय सिनेमा के लिए एक नए युग की शुरूआत करेगी। अत्याधुनिक सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ यह न केवल बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड और अन्य वैश्विक फिल्म उद्योगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगी। सरकार को उम्मीद है कि यह परियोजना हजारों रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी और उत्तर प्रदेश को फिल्म निर्माण के मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाएगी।

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने ईवीएम/वीवी पैट वेयर हाउस का किया मासिक निरीक्षण

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गौतम बुद्ध नगर : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस गोदाम में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, पुलिस के अधिकारीगण एवं संबंधित कर्मचारी गण उपस्थित रहे। जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से अवलोकन किया गया, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित पुलिस अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए एवं सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

ग्रामीण एनपीसीएल का करेंगे बहिष्कार, यूपीपीसीएल से बिजली आपूर्ति की होगी मांग

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसानों ने बिजली समस्याओं को लेकर किसान सभा एवं किसान एकता संघ के नेतृत्व में तुगलपुर स्थित एनपीसीएल दफ्तर का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान, बिजली कंपनी के अधिकारियों ने एडीसीपी मिश्रा के माध्यम से वार्ता का प्रस्ताव रखा, जिसमें 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने विस्तार से चर्चा की। हालांकि, वार्ता में सिर्फ एक मुद्दे जिसमें खेड़ी गांव में बिजली कर्मचारियों द्वारा की गई बदतमीजी की घटना में शामिल बिजली कर्मियों के सस्पेंशन पर सहमति को छोड़कर अन्य किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई, जिससे किसानों में भारी रोष व्याप्त हो गया। किसान सभा के जिलाध्यक्ष डा. रूपेश वर्मा ने बताया कि गामीण क्षेत्र में व्याप्त बिजली की समस्याओं को लेकर एनपीसीएल अधिकारियों से हुई वार्ता विफल होने के बाद ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे अब एनपीसीएल की बिजली नहीं लेंगे और कंपनी के किसी भी बिलिंग संबंधित कर्मचारी को गांव में घुसने नहीं देंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर एनपीसीएल की जगह यूपीपीसीएल से बिजली आपूर्ति की मांग करने का निर्णय लिया है। वहीं जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, ग्रामीणों ने बिजली बिल न भरने का संकल्प लिया है। इसके अलावा प्रशासन को चेतावनी दी गई है कि गांवों में बड़े पैमाने पर बैठकें आयोजित कर एनपीसीएल बहिष्कार प्रस्ताव पारित किया जाएगा, और प्रशासन को एक निश्चित समय सीमा दी जाएगी, जिससे ग्रामीणों को एनपीसीएल की जगह यूपीपीसीएल से सहज रूप से बिजली मिल सकें।

ग्रामीणों पर झूठे चोरी के मुकदमे किए दर्ज

डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि बिजली कंपनी के अधिकारी अपनी बात पर टिकते नहीं हैं। ग्रामीणों पर झूठे चोरी के मुकदमे दर्जकर उनका शोषण किया जा रहा है। हाल ही में खेड़ी गांव के संतराज के साथ हुई मारपीट इसका ताजा उदाहरण है। मुकेश खेडी ने कहा कि एनपीसीएल के शोषण से किसान तंग आ चुके हैं। अब हमें एनपीसीएल की आपूर्ति नहीं चाहिए, बल्कि यूपीपीसीएल की सप्लाई की जाए। इस संबंध में जल्द ही हजारों ग्रामीण डीएम को ज्ञापन सौंपेंगे। घेराव व धरना-प्रदर्शन के दौरान वीर सिंह नागर, गवरी मुखिया, निशांत रावल, निशांत भाटी, मनोज प्रधान, पप्पू ठेकेदार, भोजराज रावल, सतीश यादव, अरुण एडवोकेट, अजीत, उधम सिंह एडवोकेट, जय किशन, सतीश नेता, लीलू नेता, सुंदर प्रधान, डा. जगदीश, देशराज राणा, नितिन चौहान, अजब सिंह, धर्मेंद्र, तेजपाल प्रधान, यतेंद्र भाटी, निरंकार प्रधान, अजब सिंह (सलारपुर), कालू (खोदना खुर्द), नरेश नागर, रईसा चौहान, गंगेश्वर दत्त शर्मा समेत अन्य उपस्थित रहे।

एडीएम नोएडा की अध्यक्षता में जिलाधिकारी सभागार सूरजपुर में संपन्न हुई

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को व्यापार बंधु की बैठक एडीएम नोएडा की अध्यक्षता में जिलाधिकारी सभागार सूरजपुर में संपन्न हुई।

इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ महामंत्री मनोज भाटी द्वारा मामूरा में स्थाई पार्किंग का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया और लोकल पुलिस द्वारा रोजाना आने वाले ग्राहकों की गाड़ियों को दिन और रात 24 घंटे चालान काटने पर एडीएम के सामने विरोध जताया। जबकि चेयरमैन रामावतार सिंह ने हरौला में आए दिन जाम लगने की स्थिति को मुख्य रूप से एडीम के समक्ष रखा।

प्रतिनिधि मंडल के उपरोक्त बातों पर एसडीम ने आश्वासन दिया कि इस मामले का शीघ्रता से निपटारा कराया जाएगा और संबंधित विभाग को दिशा निर्देश दिया जाएगा।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नोएडा इकाई के चेयरमैन रामावतार सिंह, वरिष्ठ महामंत्री मनोज भाटी और महामंत्री दिनेश महावर उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जनपद का परिवहन और खनन विभाग एक्टिव

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गौतम बुद्ध नगर : शासन एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों क्रम में जनपद में ओवर लोड संचालित वाहनों और खनन सामाग्री के अवैध परिवहन के विरुद्ध अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के नेतृत्व में संबंधित अधिकारियों द्वारा निरंतर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी श्रृंखला में आज परिवहन और खनन विभाग की जिला स्तरीय कार्यबल द्वारा ओवरलोड/अवैध परिवहन के विरुद्ध संयुक्त प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ उदित नारायण ने बताया कि वर्ष 2025 के जनवरी एवं फरवरी माह में चलाये गये राजस्थान व हरियाणा से रोडी, गिट्टी, रेता आदि लादकर जनपद गौतमबुद्धनगर आने वाले एवं अन्य 357 ओवरलोड वाहनों के चालान कर 271 वाहनों को बन्द की गयी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में यह कार्यवाही इको टेक-1, डीएनडी कालिंदी कुंज, चार मूर्ति, सिरसा कट, बिसरख, बादलपुर, नालेज पार्क सहित जनपद के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग समय पर की गई।

उन्होंने बताया कि कार्यवाही के दौरान वाहनों में ओवर लोड माल परिवहन के अतिरिक्त कई वाहनों में पंजीयन चिन्ह अस्पष्ट होने और निर्माण सामाग्री, त्रिपाल से ढका न होने, रेफ्लेक्ट न लगा होने, फिटनेस/परमिट प्रमाणपत्र न होने व कर न जमा होने कारण प्रवर्तन की कार्यवाही की गई। इस अभियान के दौरान एआरटीओ प्रवर्तन डॉ उदित नारायण, अभिषेक कनौजिया, विपिन चौधरी, जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी, यात्री कर अधिकारी राजेश मोहन, के जी संजय सहित पुलिस और प्रवर्तन कर्मी शामिल रहे।

उन्होंने यह भी बताया कि ओवरलोड वाहनों पर लगभग प्रशमन शुल्क रू 168 लाख 28 हजार वसूल किया गया। सभी चालकों के ड्राइविंग लाइसेन्स निलंबन और परमिट निलंबन की संस्तुति की गई।

उन्होंने वाहन स्वामियों को यह भी बताया कि ओवर लोडिंग से वाहन का सन्तुलन बिगड़ता है, इससे सड़क हादसों की संभावना बढती है, सड़कों के मरम्मत पर व्यय बढता है, गाडी के टायर व इंजन की आयु कम हो जाती है, प्रदूषण बढता है, यह नुकसानदायक है, अतः ओवर लोडिग न करें। जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में परिवहन विभाग गौतमबुद्ध नगर के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा ओवरलोड एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

डीएम की अध्यक्षता में निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय टास्क फोर्स एवं जिला अनुश्रवण समिति की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु डीएम ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गौतमबुद्धनगर : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निपुण भारत मिशन के तहत गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं जिला अनुश्रवण समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से शिक्षा विभाग के वर्तमान तक के कार्यों की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी द्वारा सरकारी विद्यालय के परिसरों का कायाकल्प एवं शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य निपुण भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनपद के समस्त विद्यालयों का कायाकल्प का कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिन विद्यालयों में कायाकल्प का कार्य चल रहा है निरंतर उनकी मॉनिटरिंग की जाए ताकि गुणवत्ता परक रूप से कार्य पूर्ण कराया जा सके।

उन्होंने जिला टास्क फोर्स के द्वारा विद्यालयों में किये गये निरीक्षण की समीक्षा करते हुये संबन्धित अधिकारी को निर्देश दिये कि ससमय लक्ष्य के सापेक्ष निरीक्षण शत प्रतिशत पूर्ण कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति पर विशेष जोर देते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि स्कूलों में अध्यापकों के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि कराई जाए और साथ ही अध्यापकों के द्वारा अभिभावकों को भी प्रेरित किया जाए की प्रतिदिन बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि वह मॉनिटरिंग करते हुए ऐसे स्कूलों के अध्यापकों से स्पष्टीकरण ले जहां पर बच्चों की उपस्थिति कम है। जिलाधिकारी इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि उनके जनपद की शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता लाने एवं शिक्षा से सम्बन्धित योजनाओं का शत-प्रतिशत पात्र छात्र-छात्राओं तक लाभ पहुंचाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि जनपद शिक्षा क्षेत्र में प्रदेश की रैकिंग में अग्रणी स्थान बना सकें।

जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए की प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को जो मिड डे मील उपलब्ध कराया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनी रहे एवं विद्यालयों में सभी मूलभूत सुविधाएं भी पढ़ने वाले छात्र छात्रों को मानकों के अनुरूप प्राप्त हो। इस महत्वपूर्ण बैठक का सफल संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार के द्वारा किया। इस बैठक में जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय, यमुना/ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी गण तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

28 फरवरी 2025 को कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला सैनिक बंधु समिति की होगी बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कर्नल कपिल कत्याल(अ0प्रा0) ने भूतपूर्व सैनिकों को जानकारी दी है कि जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कि अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए 28 फरवरी 2025 को दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक आहूत की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में भूमि विकास, पुलिस, बैंक, पेंशन, शिक्षा, आर्थिक अनुदान, रोजगार संबंधी समस्या तथा सैनिकों से संबंधित कोई अन्य समस्या का निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से कहा कि बैठक में दिए गए बिंदुओं से संबंधित समस्याओं को बैठक से पूर्व जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कार्यालय में प्रेषित करें, ताकि जिलाधिकारी को अग्रिम सूचनाओं से अवगत कराया जा सके। अतः भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रित आयोजित होने वाली बैठक में निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पहुंचकर प्रतिभाग करते हुए अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकते हैं।

जनपद में आगामी 08 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा माननीय जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में दिनांक 08/03/2025 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषतः आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे। लोक अदालत द्वारा जारी किए गए फैसले को दीवानी अदालत के डिक्री का दर्जा प्राप्त होता है। यह फैसले बाध्यकारी होते हैं और इनके खिलाफ अपील नही की जा सकती। लोक अदालत का कोई न्यायालय शुल्क नहीं है और यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है, तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाती है।

बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप ने 230 एकड़ जमीन का लिया कब्जा, मार्च से शुरू होगा काम

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल फिल्म सिटी के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप ने गुरुवार को प्रस्तावित स्थल पर पहुंचकर 230 एकड़ जमीन का भौतिक कब्जा ले लिया। यह फिल्म सिटी कुल 1,000 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाएगी।

बोनी कपूर ने बताया कि पहले चरण में 230 एकड़ में निर्माण कार्य शुरू होगा। इस पर 1510 करोड़ रुपए की लागत आएगी। फिल्म सिटी में 3डी स्टूडियो, रिटेल मॉल और वीएफएक्स साउंड स्टूडियो बनेंगे।एडिटिंग, एनीमेशन, फिल्म इंस्टीट्यूट और एम्यूजमेंट पार्क भी विकसित किए जाएंगे। दूसरे चरण में होटल, रिजॉर्ट और कमर्शियल स्पेस का निर्माण होगा। फिल्म सिटी में एक करोड़ स्क्वायर फीट क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा ॐ बनाया जाएगा। इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। यमुना अथॉरिटी ने बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप को भौतिक कब्जे की पुष्टि का पत्र सौंपा है। अथॉरिटी के अधिकारी सेक्टर 21 में प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण करेंगे। यह प्रोजेक्ट भारतीय फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयां देगा। प्रदेश की प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा। कई बड़ी कंपनियों की बिडिंग में बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप की संयुक्त कंपनी को यह प्रोजेक्ट मिला है। मार्च से निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

25 हजार रुपए का इनामी बदमाश गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना सेक्टर 58 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बुधवार रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने सेक्टर 62 गोल चक्कर के पास से गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश मुलायम उर्फ धनंजय चौहान पुत्र संपत चौहान निवासी जनपद गोपालगंज बिहार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ थाना सेक्टर 24 में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। थाना प्रभारी ने बताया कि यह बदमाश काफी दिनों से फरार चल रहा था। उन्होंने बताया कि यह अपने साथियों के साथ मिलकर अपने भौतिक एवं आर्थिक लाभ हेतु मोटरसाइकिल और स्कूटी पर सवार होकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में राह चलते लोगों से लूटपाट करता है। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ पूर्व में लूटपाट सहित विभिन्न धाराओं में पांच मुकदमे दर्ज हैं।

मंदिर में पुजारी से मारपीट,आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 कोतवाली क्षेत्र में एक पुजारी से मारपीट का मामला सामने आया है। चूहड़पुर गांव स्थित मंदिर के पुजारी त्रिवेणी गिरी ने एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुजारी त्रिवेणी गिरी ने बताया कि वह गांव में एक व्यक्ति के घर गए थे। वहां राजवीर कसाना नाम के व्यक्ति ने उनके साथ गाली-गलौज की। आरोपी ने पुजारी की दाढ़ी खींची और जान से मारने की धमकी दी। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर पुजारी को बचाया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने राजवीर कसाना के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी' निर्माण के लिए बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप ने जमीन का लिया कब्जा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। इंटरनेशनल फिल्म सिटी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। फिल्म निमार्ता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप ने मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने की घोषणा की है।

बुधवार को बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के चेयरमैन ने फिल्म सिटी के लिए प्रस्तावित स्थल पर पहुंचकर चिन्हित जमीन का फिजिकल कब्जा लिया। उम्मीद जताई जा रही है कि मार्च से यहां निर्माण कार्य की शुरूआत हो जाएगी। फिल्म सिटी का निर्माण 1,000 एकड़ क्षेत्र में किया जाएगा, जिसमें पहले चरण में 230 एकड़ में निर्माण कार्य शुरू होगा। इसकी अनुमानित लागत 1,510 करोड़ रुपये होगी। यह फिल्म सिटी हाईटेक सुविधाओं से लैस होगी, जिसमें 3डी स्टूडियो, रिटेल मॉल, वीएफएक्स साउंड स्टूडियो, एडिटिंग, एनीमेशन, फिल्म इंस्टीट्यूट और एक एम्यूजमेंट पार्क विकसित किया जाएगा।इसके अलावा, दूसरे चरण में होटल, रिजॉर्ट और कमर्शियल स्पेस का निर्माण किया जाएगा। फिल्म सिटी का एक प्रमुख आकर्षण यह होगा कि नोएडा में दुनिया का सबसे बड़ा 'ऊं' बनेगा, जो एक करोड़ स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि इस 'ऊं' का आकार इतना विशाल होगा कि इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा।

मानव जीवन में बढ़ती विज्ञान की भूमिका

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है।

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। 2024 में यह दिवस विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 2023 में 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का 'दैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई ह्यविज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

'आप' के लिए सबक

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई। कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती हैङ्क और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है। पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया। उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ। यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईड़ी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा। यह रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेज दी गई है। उसकी रिपोर्ट मिलने पर शेष स्थितियां उजागर होंगी। लेकिन आप की सरकार अपने ऊंचे-ऊंचे वादों, विचारों के पैमानों पर असफल हुई और दुखद यह है कि पराजय के बाद भी उसके नेताओं ने सबक नहीं लिया है। वे शुद्ध राजनीति पर लौटने की बजाय हंगामा खड़ा करने में अब भी ज्यादा भरोसा किए हुए हैं।

सूक्ति

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे
- अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है
- एलेअनोर रूज़वेल्ट

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।'

पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

कुंभ में जब भेदभाव नहीं, बाकी समय क्यों

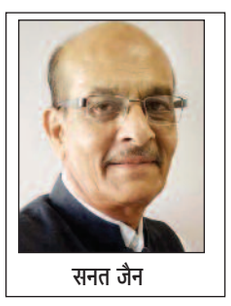

सनत जैन

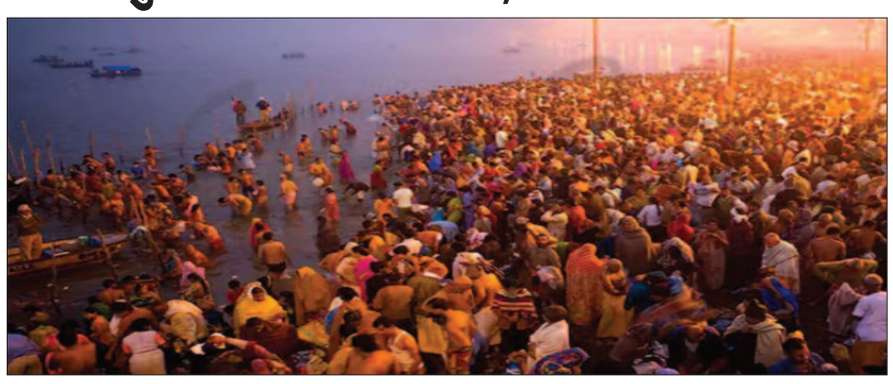

उत्तर प्रदेश सरकार दावा कर रही है, महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। आस्था के इस महापर्व कुंभ में श्रद्धालुओं और भक्तों के बीच में किसी किस्म का कोई भेदभाव नहीं था। सभी एक ही घाट पर जाकर नहा रहे थे। कोई किसी की जात-पात नहीं पूछ रहा था। यहां कोई गरीब और अमीर भी नहीं था। आस्था के इस महापर्व मैं जब कोई भेदभाव नहीं था तो बाकी के समय भारत में जाति, धर्म, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों होता है। क्या यह हमारा दोहरा आचरण नहीं है। कहा जाता है कि धर्म आचरण में धारण करना होता है। नारे लगाने से अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने से धर्म नहीं आता है। धर्म आस्था से आता है, आस्था आचरण में होनी चाहिए। कुंभ के इस महापर्व मे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर सही रास्ते पर चलने का भक्त संकल्प लेते हैं। भारत ने देश एवं दुनिया के देशों को महाकुंभ के इस आयोजन से यही संदेश दिया है। मानव समाज के बीच कोई भेदभाव नहीं हो सकता है। यदि हम इस बात को समझ जाएं और अपनी -अपनी परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था को आचरण में लेकर आएं, तभी मानव संस्कृति और मानव समाज का विकास संभव हो सकता है। जनवरी और फरवरी माह में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ। देश और विदेश से करोडों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। संगम तट पर सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा और संगम में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे, यह संभव नहीं है। जो भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए गए थे, उनके मन में आस्था का विश्वास था। गंगा में डुबकी लगाने के बाद उनके मन का मैल साफ होगा। उनके पाप कटेंगे, उनकी आत्मा और आचरण में शुद्धी आएगी। जिसके कारण वह परमात्मा की निकटता प्राप्त करेंगे। आस्था के कारण करोड़ों की संख्या में जो श्रद्धालु कुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने तरह-तरह की तकलीफें और कष्ट झेले, कष्टों ने उन्हें प्रभावित नहीं किया। उनकी आस्था गंगा मैया में डुबकी लगाने की थी। उन्होंने डुबकी लगाकर यह सिद्ध कर दिया है। आस्था से वह जो पाना चाहते हैं, वह पाने में सफल होते हैं। कुंभ के आयोजन का इससे बड़ा अन्य कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। महाकुंभ का यह पर्व भारतीय एकता का सबसे बड़ा संदेश है। जब बिना किसी भेदभाव के करोड़ों लोग एक स्थान पर पहुंचकर आपस में मिलकर अपनी आस्थाओं और परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था के साथ बिना किसी भेदभाव के महापर्व को मनाते हैं। महाकुंभ के आयोजन में विभिन्न भाषाओं और विभिन्न धर्मों के लोग प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप इस महापर्व में उपस्थित होकर धर्म को अपनी आस्था को आचरण में शामिल किया। इस महाकुंभ से हम इतना ही सीख पाएं। बिना किसी भेदभाव के हम अपनी धार्मिक पारंपरिक एवं कुल की आस्थाओं के अनुसार मानव विकास और मानव समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। यदि यह सृजनशीलता भारत के सभी लोगों में देखने को मिले, तो भारत का आर्थिक एवं सामाजिक विकास दुनिया के सभी देशों से ज्यादा बेहतर ढंग से होगा। भारतीय संस्कृति हमेशा से सबको साथ लेकर चलती है। 84 लाख योनियों के साथ जियो और जीने दो का भाव रखती है। सभी एक दूसरे के लिये उपयोगी हैं। मानव समाज सामा?जिक विकास के साथ-साथ प्रकृति एवं संस्कृति का विकास भारतीय सनातन व्यवस्था करती है। हम सब भारतीयों के आचरण में यदि यह संस्कृति रहेगी तो हम दुनिया के सबसे संपन्न और सबसे ज्ञानवान देश होंगे इसमें कोई संदेह नहीं है। महाकुंभ से सारी दुनिया के देशों को यही संदेश जाता है।

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है महिला अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

यूडीआईएसई+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दशार्ता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है।

उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दशार्ता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है।

समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानाः महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का ₹विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं₹ कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की ₹महिला वैज्ञानिक योजना₹ महिला शोधकताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20% से भी कम है।

यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा-निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग-संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और

देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं। गुमनाम शिकायत निवारण प्रक्रियाएं स्थापित करें, सुनिश्चित करें कि आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी) कार्यरत हों, तथा सभी विश्वविद्यालयों में कठोर उत्पीड़न-विरोधी नीतियां लागू करें। यूजीसी के 2023 निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालयों में आईसीसी आवश्यक है; हालाँकि, अभी भी कार्यान्वयन में खामियाँ हैं, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण संस्थानों में। शिक्षा जगत में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन कार्यक्रम, समावेशी नियुक्ति प्रथाएं, संस्थागत परिवर्तन और बहुआयामी रणनीति आवश्यक हैं। परिवार-अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना, पारदर्शी पदोन्नति की गारंटी देना, तथा भेदभाव-विरोधी कानूनों को मजबूत बनाना, उच्च शिक्षा में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकता है। लिंग-संवेदनशील, योग्यता-आधारित नीतियों की ओर प्रतिमान बदलाव से प्रतिनिधित्व में सुधार होगा और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

हनी ट्रैप में फंसाकर लोगों से ठगी करने वाले नकली पुलिसकर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिले की स्पेशल स्टाफ ने हनी ट्रैप में भोले भाले लोगों को फंसाकर उनसे मोटी रकम वसूलने वाले 3 नकली पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस का फर्जी आईकार्ड और दिल्ली पुलिस की वर्दी बरामद की है। पुलिस ने बिना किसी शिकयत के केवल गुप्त सूचना के बाद ये कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक पुलिस की गिरफ्त में आए ये तीनों आरोपित बड़े ही शातिर हैं। यह कारोबारियों और अमीर लोगों के साथ पहले सोशल मीडिया के जरिये संपर्क साधकर दोस्ती करते थे और फिर विश्वास दिलाने के बाद किसी जगह बुलाकर उन्हें हनी ट्रैप में फंसाकर नकली दिल्ली पुलिस वाले बनकर जाली छापा मारते और पीड़ित से मोटी रकम की मांग करते थे। रोहिणी जिले के एडिशनल डीसीपी विष्णु कुमार ने बताया कि रोहिणी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ को कुछ नकली पुलिसकर्मियों द्वारा ब्लैकमेलिंग करने की जानकारी मिली और ये भी पता चला कि ये फर्जी पुलिसकर्मी रोहिणी इलाके में आने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर बुध विहार श्मशान घाट पर ट्रैप लगाकर स्कूटी पर सवार पुलिस की वर्दी पहने इन तीनों आरोपितों से रोककर पूछताछ की, जिसमें ये कोई संतोष जनक उत्तर नहीं दे सके और पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपितों की पहचान नीरज, योगेश और आशीष के रूप में हुई है। यह तीनों हरियाणा के बहादुर गढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से दो स्कूटी, पुलिस की दो वर्दी एक दिल्ली पुलिस सब इंस्पेक्टर का नकली आई कार्ड और 2 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। ये तीनों आरोपित बेरोजगार हैं। इनमें से नीरज इस गैंग का सरगना है, जिस पर हनी ट्रैप के तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

ट्रेन यात्री के बैग से 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी

नई दिल्ली। बाहरी जिले के नांगलोई रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन यात्री के बैग से 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। शादी समारोह में शामिल होने गया परिवार गोरखधाम एक्सप्रेस से बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा था। इस बीच परिवार ट्रेन से उतरने लगा तो किसी ने बैग की चेन काटकर जेवरात वाला बैग चोरी कर लिया। ट्रेन से उतरने के बाद परिवार को घटना का पता चला। शिकायतकर्ता की शिकायत पर सराय रोहिल्ला रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपित की पहचान में जुटी हुई है। इसके अलावा नांगलोई रेलवे स्टेशन पर सक्रिय बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित सौदागर राजपूत परिवार के साथ सीतापुरी, जनकपुरी के पास रहते हैं। इनका क्रेन का कारोबार है। इनके साले और साढू नांगलोई इलाके में रहते हैं। सौदागर के रिश्तेदार गोरखपुर में रहते हैं। 10 फरवरी को सौदागर अपने साले और साढू के परिवार के साथ शादी में शामिल होने के लिए गोरखपुर गए थे। 25 फरवरी को पीड़ित परिवार के साथ लौट रहे थे। पीड़ित के अनुसार ट्रेन जैसे ही नांगलोई स्टेशन पर पहुंचीं वह गेट के पास आए गए। गेट पर काफी भीड़ थी। नांगलोई स्टेशन उतरने पर पता चला उनके बैग से जेवरात चोरी हुए है।

सील किए गए घर से चोरों ने लाखों के सामान पर किया हाथ साफ

नई दिल्ली। जाफराबाद इलाके में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा सील की गई संपत्ति में चोरी का मामला सामने आया है। चोरी के बाद संपत्ति मालिक की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय लोगों से पूछताछ कर चोरों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। पीड़ित ने उसी गली में रहने वाले एक व्यक्ति पर अपना संदेह जताया है। पुलिस के मुताबिक 70 वर्षीय कारी अब्दुल गफ्फार परिवार के साथ गली संख्या 41, जाफराबाद इलाके में रहते हैं। वह बैतुल उलूम मदरसा में प्रधानाचार्य हैं। करीब एक साल पहले एमसीडी द्वारा मकान संख्या 1358, गली संख्या 45 स्थित उनकी संपत्ति को सील कर दिया गया था। एमसीडी की ओर से उसे अनधिकृत संपत्ति बताया गया था। सीलिंग के समय घर के अंदर मौजूद उनका सामान अंदर ही रह गया था। गुरुवार सुबह करीब 9.30 बजे एक पड़ोसी रिहान अहमद ने पीड़ित को बताया कि उनकी उक्त संपत्ति पर एमसीडी द्वारा लगाई गई सील टूटी हुई है और घर का एक गेट खुला हुआ है। इस पर पीड़ित मौके पर पहुंचे और जांच करने पर पता चला कि घर के अंदर रखा सामान चोरी हो चुका था। चोरी हुए सामान में एम्प्लीफायर व ईको सिस्टम, हार्ड डिस्क समेत एक डीवीआर, एक पानी की मोटर, 12 सौर बैट्री, दो छत वाले पंखे व कुछ लोहे के सामान शामिल हैं। फिलहाल पुलिस उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

नाबालिग लड़की को धमकी देकर हवस का शिकार बनाने वाला ट्यूशन टीचर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में एक ट्यूशन टीचर की शर्मनाक हरकत सामने आई है। वह पिछले तीन साल से एक नाबालिग लड़की को धमकी देकर अपनी हवस का शिकार बनाता रहा। इस दौरान उसे ब्लैकमेल भी किया। दिल्ली पुलिस ने बंगाल के रहने वाले टीचर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दक्षिणी दिल्ली के सी आर पार्क इलाके में एक 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ उसके ट्यूशन टीचर ने तीन साल में कई बार कथित तौर पर रेप किया। आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल का रहने वाला टीचर कथित तौर पर लड़की को धमकाता और ब्लैकमेल करता था। मामला तब प्रकाश में आया जब लड़की ने अपने पिता के साथ बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। दक्षिण दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने कहा कि नाबालिग ने आरोप लगाया कि वह 2022 से आरोपी द्वारा चलाए जा रहे ट्यूशन सेंटर में पढ़ने जाती थी। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे ट्यूशन सेंटर में कई बार मानसिक रूप से परेशान किया और उसके साथ रेप किया। डीसीपी ने कहा कि उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे धमकाया और ब्लैकमेल भी किया।

दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष बनाए गए मोहन सिंह बिष्ट, मुस्तफाबाद से हैं बीजेपी के विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट गुरुवार को दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष चुने गए। वह मुस्तफाबाद सीट से विधायक चुने गए हैं। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मोहन सिंह बिष्ट को उपाध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव पेश किया, जिसका कैबिनेट मंत्री मनजिन्दर सिंह सिरसा ने समर्थन किया। विधान सभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बिष्ट को उपाध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव सदन के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। अध्यक्ष ने बिष्ट को उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया उल्लेखनीय है कि मोहन सिंह बिष्ट छठी बार विधायक चुने गए हैं। उन्होंने इस बार मुस्तफाबाद से आम आदमी पार्टी के अदील अहमद खान को 17578 वोटों से हराया। बिष्ट को 85218 वोट मिले। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलेमिन (एआईएमआईएम) के मोहम्मद ताहिर हुसैन 33474 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। मोहन सिंह बिष्ट की गिनती दिल्ली भाजपा के कद्दावर नेताओं में की जाती है। वह करावल नगर विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रह चुके हैं। इस बार पार्टी ने उनका सीट बदलकर उन्हें मुस्तफाबाद से टिकट दिया था। मुस्लिम बहुल सीट होने के बावजूद इस बार भी वह चुनाव जीतने में सफल रहे। बिष्ट 1998, 2003, 2008, 2013, 2020 और 2025 में लगातार चुने गए। वह 2015 के विधानसभा चुनाव में कपिल मिश्रा से सिर्फ एक बार चुनाव हारे हैं। पहली बार वे 1998 में दिल्ली की दूसरी विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने कांग्रेस के जिले सिंह को हराया था। 2003 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के हसन अहमद को 15,227 वोट से हराया था। 2008 के चुनाव में उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवीर शैतान पाल दायमा के खिलाफ जीत हासिल की। 2013 के चुनाव में कड़ी टक्कर के बाद आम आदमी पार्टी के कपिल मिश्रा को हराया। हालांकि 2015 के चुनाव में सिर्फ एक बार आप के कपिल मिश्रा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। बिष्ट भाजपा की दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

झाड़ूवाला ही दारूवाला है; कैग रिपोर्ट पर कपिल मिश्रा का आप पर तीखा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सबसे मुखर रहने वाले दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने आज आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा को चुभने वाली बात कही है। शराब घोटाले पर आई कैग की पहली रिपोर्ट पर आज दिल्ली विधानसभा में चर्चा करते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि अगर मैं कैग रिपोर्ट को एक लाइन में कहूं तो झाड़ूवाला ही दारूवाला है। कपिल ने आगे कहा कि आप-दा सरकार ने सीएजी की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश होने से रोकने के लिए हरसंभव कोशिश की।

कैग रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान करावल नगर विधानसभा सीट से विधायक कपिल मिश्रा ने आज केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि सीएजी की रिपोर्ट को सदन में पेश होने से रोकने के लिए आम आदमी पार्टी ने हर तरह का कुचक्र रचा। कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि अगर मैं इस पूरी कैग रिपोर्ट का सार या एक लाइन में कहूं तो झाड़ूवाला ही दारूवाला है। बड़े बुजुर्गों ने कहा है कि दारू अच्छे-अच्छों को बिगाड़ देती है, डुबो देती है। जो डूब गया वह निकला नहीं।

कपिल मिश्रा ने सदन में कहा कि झूठ की दुकान और इस झूठ की एक्सपायरी डेट पहले ही निकल चुकी थी। कैग कि पहली रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद सबसे भ्रष्टाचारी सरकार आम आदमी पार्टी की सरकार थी। भगत सिंह और आंबेडकर के नाम पर हंगामा करने वालों के बारे में दिल्लीवाले जान लें कि सिसोदिया और केजरीवाल ने नॉन पर्फॉर्मिंग एरिया यानी गुरुद्वारों के सामने शराब के ठेके खोले।

करावल नगर विधायक ने आगे कहा कि अभी जनता की अदालत में न्याय हुआ है और अब देश की अदालत में न्याय होगा। बेल पर छूटे हुए ये लोग याद रखें कि तिहाड़ की दीवारों पर आज भी लिखा है कि फिर आएंगे केजरीवाल। उन्हें वापस वहां जाना पड़ेगा। कपिल ने आगे कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर और भगत सिंह के नाम पर करप्शन करने वालों को मेरी चेतावनी है कि अभी 22 हो, ऐसे ही चले तो 2 भी नहीं बचोगे।

दिल्ली-एनसीआर में अभी और बारिश, 30 की स्पीड से चलेंगी हवाएं : आईएमडी का ताजा अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार सुबह हल्की बूंदाबांदी के साथ लोगों की नींद खुली। बुधवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जो इस मौसम में सबसे अधिक था। दिल्ली-एनसीआर में बृहस्पतिवार सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। कई जगहों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। मौसम विभाग ने 28 और 29 फरवरी को भी हल्की बारिश की होने की संभावना जताई है। इस दौरान तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। दिल्ली में बुधवार को पिछले दिन के मुकाबले तापमान में 3.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। इस वजह से अधिकतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया। लिहाजा, बुधवार को इस सीजन में पहली बार दिल्ली में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। इससे बुधवार का दिन न सिर्फ इस माह का बल्कि पिछले दो वर्ष में फरवरी में अब तक का सबसे गर्म दिन रहा है। इस वर्ष से पहले 21 फरवरी 2023 को दिल्ली में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 4.1 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण शुक्रवार और शनिवार को आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

दिल्ली की 2500 वाली स्कीम में उम्र समेत इन 3 शर्तों को रख सकती है रेखा गुप्ता सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद दिल्ली की महिलाओं को 'महिला समृद्धि योजना' का इंतजार है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को योजना के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा है। सीएम ने उन्हें दूसरे राज्यों में चल रहीं ऐसी स्कीमों का अध्ययन भी करने को कहा है। सरकार जल्द ही इस स्कीम को लॉन्च कर सकती है, जिसके तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को मासिक 2500 रुपए की सहायता दी जाएगी।

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में स्पष्ट किया था कि इस योजना का लाभ गरीब परिवारों की महिलाओं को दिया जाएगा। सरकार को जहां अभी गरीबी की यह 'रेखा' तय करनी है तो दूसरी तरफ अन्य शर्तों की भी घोषणा की है। हमने भाजपा शासित तीन राज्यों में महिलाओं के लिए चल रही ऐसी योजनाओं की नियमों और शर्तों को संकलित किया है। तीनों ही राज्यों में कुछ शर्तें एक समान रखी गई हैं। संभव है कि इन शर्तों को दिल्ली में भी लागू किया जाए।

1. स्थानीय निवासी होनी चाहिए

मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार महिलाओं को 1250 रुपए की मासिक आर्थिक सहायता के लिए लाडली बहना योजना चला रही है। इस योजना में पात्रता की पहली शर्त है कि महिला मध्य प्रदेश की निवासी हो।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार महतारी वंदन योजना चला रही है। महिलाओं को मासिक 1000 रुपए दिए जाते हैं। छत्तीसगढ़ में भी इस योजना का लाभ राज्य की निवासी महिलाओं को ही मिलता है।

ओडिशा की भाजपा सरकार वहां सुभद्रा योजना चला रही है, जिसके तहत महिलाओं को सालाना 10 हजार रुपए दिए जाते हैं। 5 साल में पात्र महिलाओं को 50 हजार रुपए मिलेंगे। यहां भी यह शर्त रखी गई है कि योजना का लाभ उन महिलाओं को ही मिलेगा जो ओडिशा की स्थायी निवासी हैं।

दिल्ली में भी यही संभव- दिल्ली में भी यह शर्त लगभग तय है। दिल्ली की सरकार उन महिलाओं को ही इस योजना लाभ देगी जो दिल्ली की निवासी हैं या जो यहां की वोटर हैं।

2. न्यूनतम आयु-

मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना में न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।

छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना में भी लाभार्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।

ओडिशा की सुभद्रा योजना में पात्रता के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।

भाजपा शासित राज्यों के ट्रेंड को देखते हुए संभव है कि दिल्ली में भी न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी जाए।

3. शादीशुदा को ही लाभ

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ की योजनाओं में पात्रता की एक शर्त यह भी है कि शादीशुदा महिलाओं को ही इसका लाभ मिल सकता है। विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं को भी इसमें सम्मलित किया गया है। संभव है कि दिल्ली में भी इस तरह की शर्त रखी जाए। हालांकि ओडिशा की सुभद्रा योजना की पात्रता नियमावली में हमें शादीशुदा वाली शर्त नहीं मिली। वहां कहा गया है कि यह योजना 21 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के लिए है।

आप विधायकों के निलंबन उठा मुद्दा, स्पीकर ने अमानतुल्लाह खान को समझा दी रूल बुक की एक-एक बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा से 21 आम आदमी पार्टी विधायकों के निलंबन के खिलाफ आज भी प्रदर्शन जारी है। नेता विपक्ष आतिशी समेत सभी 21 विधायकों का आरोप है कि उन्हें परिसर में घुसने नहीं दिया जा रहा है। जय भीम के नारे लगाने के कारण उन्हें सदन से बाहर कर दिया गया। इस पूरे मसले पर आज स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने रूल बुक पढ़कर बताया कि इसका अर्थ दिल्ली विधानसभा का पूरा परिसर है। अमानतुल्लाह खान ने सदन में मुद्दा उठाया था जिसपर जवाब देते हुए स्पीकर ने स्थिति साफ की।

दिल्ली विधानसभा के अंदर मौजूद आम आदमी पार्टी के एकलौते विधायक अमानतुल्लाह खान ने अपने 21 विधायकों के निलंबन का मुद्दा उठाया। इसपर विजेंद्र गुप्ता ने रूल बुक पढ़ी। अमानतुल्लाह खान ने मुद्दा उठाया कि हमारे 22 विधायकों में से 21 को आपने बाहर कर दिया। ओखला विधायक ने स्पीकर को कहा कि आप भी इस सदन के सदस्य हैं। इसपर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बैठिए मैं आपको रूल बुक पढ़कर समझाता हूं। रूल बुक सबके पास है। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आगे कहा कि सदन का अर्थ है दिल्ली विधानसभा का पूरा परिसर। सदन के परिसर का अर्थ है विधानसभा भवन, सभाकक्ष, दीर्घाएं, विधानसभा सचिवालय के नियंत्रण में कमरे, अध्यक्ष कक्ष, उपाध्यक्ष कक्ष, समिति कक्ष, विधानसभा पुस्तकालय, विधानसभा वाचनालय, विधायकों के कमरे आदि। विजेंद्र गुप्ता ने आगे स्पष्ट किया कि रूल बुक कहती है कि जब किसी विधायक को मार्शल बाहर करेंगे, तब वह विधानसभा परिसर के बाहर ही रहेगा और यह सभी के लिए लागू है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मैं सभी सदस्यों को स्पष्ट करना चाहता हूं कि सदन का मतलब पूरा दिल्ली विधानसभा का पूरा परिसर है। अमानतुल्लाह खान ने कहा कि आपने समझाया ठीक है पर इतना नहीं होना चाहिए। आप विधायकों से ऐसी दुश्मनी कि आप उन्हें अंदर तो आने दे सकते हैं। ऐसा कभी नहीं हुआ। तभी विजेंद्र गुप्ता ने अमानतुल्लाह खान को फिर टोकते हुए कहा कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान जिस तरह की हरकत हुई, वह निंदनीय है। एलजी सदन को एड्रेस करने एक बार ही आते हैं। विजेंद्र गुप्ता ने सदन के सदस्यों को धन्यवाद करते हुए कहा कि इस अपराध पर आपका बैलेंस अप्रोच तारीफ के काबिल है। विजेंद्र गुप्ता की बात पर ओखला विधायक ने कहा कि आप आम आदमी पार्टी के विधायकों को बुला लें, अभी डिप्टी स्पीकर का भी चुनाव होना है। इस बीच जो शब्दों का जो प्रयोग हुआ वह अच्छे नहीं हैं।

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में महाशिवरात्रि पर बवाल, एबीवीपी-एसएफआई के बीच हाथापाई

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू) में महाशिवरात्रि पर मेस में भोजन को लेकर दो छात्र संगठनों एबीवीपी और एसएफआई के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि महाशिवरात्रि के दिन मेस में जानबूझकर मांसाहारी भोजन परोसा गया, जिससे उपवास रख रहे छात्रों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। इसको लेकर छात्रों में बहस बढ़ गई और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। एबीवीपी का कहना है कि 110 छात्रों ने महाशिवरात्रि के दिन सात्त्विक भोजन की मांग की थी, जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्वीकार भी कर लिया था। लेकिन जब छात्र खाने पहुंचे, तो मेस में शाकाहार के साथ-साथ मांसाहार भी परोसा गया। सात्त्विक भोजन की मांग करने वाले छात्रों पर मांसाहारी भोजन गिराया गया, जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

डूसू चुनाव में अप्रत्यक्ष मतदान की सिफारिश के विरोध में एबीवीपी का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनावों में अप्रत्यक्ष मतदान प्रणाली (इनडायरेक्ट इलेक्शन) लागू करने की सिफारिश के खिलाफ आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कला संकाय, गेट संख्या 4 के पास प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता और छात्र एकजुट हुए और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इस छात्र-विरोधी सिफारिश को तुरंत रद्द करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कुलपति को ज्ञापन भी सौंपा। गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक में 17 जनवरी को हुई पिछली बैठक में आई उस सिफारिश पर चर्चा प्रस्तावित है, जिसमें डूसू चुनावों को प्रत्यक्ष मतदान के स्थान पर अप्रत्यक्ष प्रणाली (इनडायरेक्ट इलेक्शन) से कराने का सुझाव दिया गया था। इस प्रस्ताव को पास करने की संभावना को देखते हुए एबीवीपी ने छात्रों के व्यापक समर्थन से इसका विरोध दर्ज कराया और संदेश दिया कि किसी भी हाल में छात्रों के मताधिकार को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। एबीवीपी नीत डूसू की सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा कि छात्रसंघ चुनावों में अप्रत्यक्ष प्रणाली लागू कर विश्वविद्यालय प्रशासन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। यह फैसला छात्रों के मताधिकार को समाप्त करने के समान है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम हर स्तर पर इसका विरोध जारी रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि छात्रों को अपने प्रतिनिधि चुनने का पूरा अधिकार मिले। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि डूसू चुनावों में अप्रत्यक्ष प्रणाली लागू करना छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास है। यह विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की भागीदारी को सीमित करने की साजिश है, जिसे हम किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे। यदि इस सिफारिश को वापस नहीं लिया गया, तो एबीवीपी इसे बड़े स्तर पर आंदोलन का रूप देने से पीछे नहीं हटेगी। छात्रों का मताधिकार सुरक्षित रखने के लिए एबीवीपी हर संभव संघर्ष करेगी। इसी क्रम में एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन के बाद जब एबीवीपी प्रतिनिधियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा तो प्रशासन ने आश्वासन दिया कि इनडायरेक्ट इलेक्शन से संबंधित सभी बिंदुओं को वापस लिया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आप के प्रदर्शन को बताया नौटंकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए इसे आप के विधायकों की नौटंकी करार दिया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी विधायकों की विधानसभा के बाहर की गई धरना नौटंकी को देख रहे हैं। सोच कर हंस रहे हैं वक्त का पहिया पूरी तरह घूम गया है।

सचदेवा ने कहा कि जिन आप नेताओं को कल तक भाजपा के विधायकों को प्रताड़ित करने में आनंद मिलता था, आज वह अपने भ्रष्टाचार को छुपाने दबाने के लिए महान नेताओं के चित्रों के नाम पर विवाद कर रहे हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 2018 में विधायक ओमप्रकाश शर्मा को लगभग एक साल और फिर 2021 में एक साथ दो सत्रों के लिए विधानसभा से बाहर किया था, वो आज विधानसभा से तीन दिन के लिए निष्कासित होने पर नौटंकी कर रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा हो या सचिवालय सब जगह मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों के कमरों में रोजाना सैकड़ों विजिटर एवं मीडिया कर्मी आ रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र के साथ ही बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर एवं शहीद भगत सिंह के ही नहीं, राष्ट्रपिता एवं प्रधानमंत्री के चित्र भी सुशोभित हैं।

उन्होंने कहा कि कैग की शराब घोटाले पर विधानसभा में रखी गई रिपोर्ट से आप नेता खासकर आतिशी बौखला गयी हैं। वह नहीं चाहतीं कि उस पर चर्चा हो, इसलिए आम्बेडकर के नाम पर ओछी राजनीति कर ध्यान भटकाया जा रहा है।

सचदेवा ने कहा कि दिल्ली वाले भलीभांति जानते हैं कि आतिशी का नाम गोवा इंचार्ज के रूप में शराब घोटाले से लाभार्थियों के रूप में जुड़ा है। कैग की रिपोर्ट से उनका डर दिल्ली वालों को खूब समझ आ रहा है।

फिर बोले प्रवेश वर्मा, शीश महल में इस्तेमाल किए गए सरकारी पैसे की जांच शुरू करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि 'शीश महल' विवाद की जांच शुरू की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के नवीनीकरण में कितना सरकारी धन का इस्तेमाल किया गया था। 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले, जिसका इस्तेमाल केजरीवाल ने सीएम रहते हुए किया था, को बीजेपी ने शीश महल करार दिया है। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में आप को सत्ता से हटाने वाली भाजपा ने उन पर बंगले में लक्जरी सुविधाओं के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

सीएजी रिपोर्ट को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जो 2000 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया है उस पर हम चर्चा करेंगे...'शीशमहल' की भी जांच होगी। उन्होंने कहा कि आप सरकार के तहत तीन साल पहले बने भव्य मुख्यमंत्री कार्यालय की जांच की जाएगी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि इसके पुनर्निर्माण पर कितना पैसा खर्च किया गया था और किस आधार पर अधिकारियों ने ऐसे खर्चों की अनुमति दी थी। वर्मा ने कहा कि 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास, जिसे भाजपा द्वारा 'शीश महल' कहा जाता है, की भी जांच की जाएगी कि पिछली सरकार ने इसके नवीनीकरण के लिए कितना पैसा आवंटित किया था।

वर्मा, जो पीडब्ल्यूडी मंत्री भी हैं, ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निरीक्षण करने के लिए डिफेंस कॉलोनी का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने एक क्षतिग्रस्त पुलिया ('पुलिया') की समीक्षा की, जो पिछले दो वर्षों से जर्जर हालत में है, जिससे सड़क बंद हो गई है और क्षेत्र में गंभीर यातायात जाम हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया और निवासियों को आश्वासन दिया कि मरम्मत कार्य अप्रैल तक शुरू हो जाएगा।

कंगना रनौत की अधिवक्ता ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए मांगा समय, अब 18 मार्च को सुनवाई

आगरा। हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह वाद में बृहस्पतिवार को एमपी-एमएलए अनुज कुमार की कोर्ट में सुनवाई हुई। कंगना की तरफ से उनकी अधिवक्ता हाजिर हुईं। उन्होंने वकालत नामा पेश कर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की। पिछली तारीख पर थानाध्यक्ष न्यू आगरा ने वादी और गवाहों के बयान दर्ज कर आख्या पेश की थी। 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कंगना रनौत के खिलाफ 11 सितंबर 2024 को वाद दायर किया था। उन्होंने देश के किसानों पर अभद्र टिप्पणी और क्रांतिकारी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाया था। अदालत ने कंगना रनौत को पक्ष रखने के लिए उनके हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू मनाली और दिल्ली के पते पर तीन नोटिस भेजे थे। इसके बाद बृहस्पतिवार को हाई कोर्ट की अधिवक्ता उनकी तरफ से अदालत में हाजिर हुई। उन्होंने अपना बड़ा कालतनामा पेश कर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की थी।

नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की दिल्ली विधानसभा में उठी मांग

नई दिल्ली । दिल्ली में नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की मांग शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक नीलम पहलवान ने उठा दी। विधायक नीलम ने कहा कि 1857 के विद्रोह के दौरान, राजा नाहर सिंह ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और नजफगढ़ क्षेत्र को दिल्ली के क्षेत्र में शामिल कर लिया। उनकी मांग पर साथी विधायकों ने अपना समर्थन भी दिखाया। दिल्ली में बीजेपी नेताओं के बीच इलाकों का नाम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने के बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह बिष्ट ने घोषणा की कि आधिकारिक तौर पर पदभार संभालने के बाद वे मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव पुरी या शिव विहार कर दूंगा। मैंने यह पहले भी कहा है। मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि राजनीतिक दल मुस्तफाबाद नाम बरकरार रखने पर क्यों अड़े हुए हैं। मुख्य रूप से हिंदू आबादी वाले क्षेत्र का नाम शिव पुरी या शिव विहार क्यों नहीं रख सकते ? लोग मुस्तफा नाम से परेशान हैं और इस नाम को बदलना चाहते हैं, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा हो। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आतिशी ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को सदन की कार्यवाही से तीन दिनों के लिए निलंबित करने के बाद उन्हें परिसर में प्रवेश करने से रोका जा रहा है। आतिशी ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) वालों ने सरकार में आते ही ''तानाशाही की हदें पार कर दीं।''

पुणे में सरकारी बस डिपो रेप मामले में आरोपी पर इनाम 1 लाख रुपये किया गया

पुणे । पुणे के सरकारी बस डिपो में 25 फरवरी को एक 26 साल की एक महिला के साथ बस के अंदर रेप हुआ। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने 13 टीमें बनाई हैं। उस पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। उधर, घटना के बाद महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने असिस्टेंट ट्रांसपोर्ट सुपरिटेंडेंट और बस डिपो मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषी होने पर इन्हें सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने बस डिपो पर तैनात पुराने सुरक्षाकर्मियों को हटाने का भी निर्देश दिया। जांच में जुटी 13 टीमों को जिले से बाहर भी भेजा गया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुंबई पुलिस ने की 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां नष्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने 40 मामलों में 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयों को नष्ट कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तलोजा स्थित एक प्रतिष्ठान में महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक और विधायक प्रशांत ठाकुर की उपस्थिति में इन दवाइयों को नष्ट किया गया। पुलिस ने बताया कि साल 2023 और 2024 में 1,143 मामलों के संबंध में 56 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां जब्त की गई थीं और 1,743 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में 111 अफ्रीकी देशों के थे, जिनके पास से 38 करोड़ रुपए मूल्य की कई दवाइयां जब्त की गई थीं। 40 मामलों में करीब 10 करोड़ रुपए कीमत के अवैध पदार्थ को नष्ट कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने रोहिणी से गोगी-लाकड़ा गिरोह के शार्पशूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहिणी इलाके से गोगी-अंकेश लाकड़ा गिरोह के 23 वर्षीय शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान विशाल लाकड़ा के रूप में हुई है जो अंकेश लाकड़ा का करीबी सहयोगी है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने 25 फरवरी को रोहिणी से विशाल को गिरफ्तार किया और उसके पास से एक पिस्तौल और दो कारतूस जब्त किए। डीसीपी ने कहा, 'आरोपी पर शस्त्र कानून की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसके घर पर एक और एक पिस्तौल और कारतूस रखे हुए हैं, जिसके बाद पुलिस ने एक पिस्तौल और दो और कारतूस बरामद किए।' अधिकारी के मुताबिक, विशाल ने गोगी-लाकड़ा गिरोह का सक्रिय सदस्य होने की बात भी स्वीकार की और बताया कि वह और अंकेश लाकड़ा दोनों मूल रूप से दिल्ली के मुंडका गांव के रहने वाले हैं। विशाल को पहले भी दो बार जेल हो चुकी है।

रूठे शशि थरूर मानेंगे या बड़ा निर्णय लेंगे..? आज की बैठक में हो जाएगा फैसला

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मैं शुक्रवार को पार्टी की बैठक में जाऊंगा। देखते हैं, क्या होता है। पिछले दिनों एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में दिए गए उनके बयान ने और आग में घी डालने का काम किया। उन्होंने कहा था, अगर पार्टी मुझे चाहती है, तो मैं रहूंगा। अगर नहीं, तो मेरे पास और भी विकल्प हैं। आपको ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि मेरे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

इन तमाम घटनाक्रम के बाद शशि थरूर की स्थिति अभी भी असमंजस में है। पार्टी में उनके बढ़ते आलोचक चाहते हैं कि वे ज्यादा अनुशासित रहें, जबकि उनके समर्थक उन्हें केरल कांग्रेस में बड़ा चेहरा मानते हैं। अब सबकी नजरें 28 फरवरी की बैठक पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि थरूर कांग्रेस के साथ बने रहेंगे या अपने विकल्प को आजमाएंगे। केरल कांग्रेस में अंदरूनी घमासान के बीच कांग्रेस के कद्दावर नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि

थरूर शुक्रवार को पार्टी हाईकमान की बैठक में शामिल होंगे। कांग्रेस आलाकमान ने यह बैठक दिल्ली में 28 फरवरी को बुलाई है, जिसमें केरल के वरिष्ठ नेताओं को भी बुलाया गया है। इस बैठक का मकसद राज्य इकाई में बढ़ती नाराजगी और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों पर चर्चा करना है। गौरतलब है कि यह बैठक ऐसे वक्त पर हो रही है जब थरूर के हालिया बयानों ने कांग्रेस खेमे में हलचल बढ़ा दी है। उनके मेरे पास और भी विकल्प हैं वाले बयान ने थरूर के पार्टी छोड़ने क अटकलों को तेज कर दिया।

थरूर की हालिया गतिविधियों को लेकर केरल कांग्रेस का एक धड़ा खासा नाराज बताया जा रहा है। पिछले दिनों जब उन्होंने केरल सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी की तारीफ की थी, तो राज्य कांग्रेस ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया था। इस बयान के बाद उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। दिल्ली में अपनी बैठकों के बाद थरूर ने इस विवाद को तूल न देने की अपील की। उन्होंने कहा, राहुल गांधी से मेरी अच्छी बातचीत हुई।

मैंने राहुल और प्रियंका की ओर से कुंभ में लगाई डुबकी : अजय राय

लखनऊ । महाशिवरात्रि के मौके पर महाकुंभ का समापन हुआ। महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसमें आम लोगों से लेकर खास लोग भी शामिल थे। लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का संगम में डुबकी नहीं लगाना चर्चा में बना हुआ है। इस बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा के महाकुंभ में स्नान नहीं करने के सवाल पर यूपी में कांग्रेस नेता राय ने कहा कि आस्था का पर्व समाप्त हो चुका है। तीर्थों के इस तीर्थ का समापन हुआ है। जो लोग यहां आएं, उनका सम्मान है। लेकिन ये आस्था का मामला है। कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि मैंने खुद कुंभ पहुंचकर स्नान कर आशीर्वाद लिया था। मैं गांधी परिवार से ओर से वहां गया था। मैंने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर डुबकी लगाई थी। देश की मंगलकामना की प्रार्थना की थी।

ममता ने अलापा केजरीवाल वाला राग, बंगाल में भाजपा फर्जी वोटरों के नाम जुड़वा रही

-चुनाव आयोग पर हमलावर दिखाई दीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी चुनाव आयोग पर हमलावार दिखाई दी। उन्होंने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग को मोदी सरकार ने अपने प्रभाव में रखा है। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में भाजपा की ओर से फर्जी वोटरों का नाम जुड़वाया जा रहा है। उनके नाम इसलिए जोड़ रहे हैं ताकि चुनाव के दौरान उनके वोटों से नतीजे को बदला सके। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने पिछले दिनों हुए कई राज्यों के चुनावों के नतीजों में भी धांधली का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करने वाले हैं, जिन्हें भाजपा की मदद से पंजीकृत किया है। दरअसल आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बाहरी वोटरों के नाम जुड़वाने का आरोप लगाया था। हालांकि आयोग ने इस संबंध में केजरीवाल से सबूत मांगते हुए आरोपों को खारिज कर दिया था।

ममता ने कहा, अगर जरूरत हुई तब मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष धरना दूंगी। उन्होंने चुनावी जंग को बाहरी बनाम बंगाली बनाने का भी प्रयास किया।

ममता ने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देने वाले है। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। अभी से ही बंगाल में फर्जी वोटर जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। ममता दीदी ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस जीतने की स्थिति में नहीं है। वहां भाजपा का मुकाबला आम आदमी पार्टी से ही है और हम चाहते हैं कि उसे ही जीत मिले।

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई, पूर्व विधायक रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी,

पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया।

निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं। रारा और सिंह हाल ही में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। रारा ने पिछला विधानसभा चुनाव असफल रूप से लड़ा था जबकि सिंह 2019 के विधानसभा चुनाव में करनाल विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हार गए थे। मई 2024 में इस सीट पर हुए विधानसभा उपचुनाव में वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हार गए।

कुंभ जल विवाद पर बोले श्री श्री रविशंकर, कहा– गंगा बैक्टीरिया को पनपने नहीं देती

आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर ने कहा कि लोगों की भक्ति के कारण ही करोड़ों लोग महाकुंभ में आए, जिसका समापन बुधवार को हुआ। उन्होंने कहा कि यह भारत की समृद्ध विविधता और आध्यात्मिक संपदा को दर्शाता है। इंडिया टुडे के राजदीप सरदेसाई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, रविशंकर ने प्रयागराज में पानी में पाए गए उच्च फेकल कोलीफॉर्म के विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने पाया है कि गंगा दुनिया के सबसे मजबूत जल निकायों में से एक है। आर्ट्स ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक रविशंकर ने कहा, 'मुझे केवल तीन चीजें दिखाई देती हैं जो करोड़ों भक्तों को प्रेरित करती हैं – आस्था, आस्था और आस्था। यह लोगों की भक्ति है जो उन्हें प्रेरित करती है। यह त्योहार भारत के मानस में गहराई से समाया हुआ है।' 12 वर्षों के बाद आयोजित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम माने जाने वाला महाकुंभ बुधवार को संपन्न हो गया, जिसमें 13 जनवरी से अब तक 67 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं।

भाजपा की घेराबंदी में घिरे अजित और शिंदे, महायुति में रहें तो फजीहत निकलें तो मुसीबत !

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं है। यहां भाजपा, एनसीपी(अजित) और शिंदे की शिवसेना मिलकर सरकार चल रहे हैं। देखने सुनने में बहुत आसान लगता है कि भाजपा का सीएम दोनों के दलों के सहयोगी उपमुख्यमंत्री है। किसी को क्या दिक्कत हो सकती है। सही मायने में दिक्कत है। यहां एकनाथ शिंदे और अजित पवार के बीच बहुत अच्छी पटरी नहीं बैठती और देवेंद्र फडणवीस सीएम रहते हुए भी खुद को बंधा बंधा महसूस कर रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के गठबंधन महायुति ने भारी जीत दर्ज करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा में 234 सीट जीती थी।

महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की भारी जीत के बाद विपक्ष के हौसले पस्त हो गए थे। मुख्यमंत्री बने भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने सरकार के दोनों सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को साध के रखा हुआ है। हालांकि, शिवसेना शिंदे के नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ सामंजस्य की कमी कई बार सामने आई है। इसका दोनों

तरफ से खंडन तो किया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिंदे सहज नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में शरद पवार और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के साथ उभर रहे नए समीकरण शिंदे के लिए और चिंता बढ़ा सकते हैं। महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों में महायुति को बड़ी जीत दिलाने के लिए फडणवीस कड़े कदम उठा रहे हैं, जिनमें मंत्रियों के निजी सहायकों की नियुक्ति का मामला अहम है। शिंदे गुट के कई मंत्रियों के निजी सहायकों के लिए आए विवादित नामों को फडणवीस ने रोक दिया है। इस काम की सामना में तारीफ की गई है। संजय राउत ने सामना में इस पर एकनाथ शिंदे पर निशाना भी साधा है।सूत्रों का कहना है शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का एक तबका भाजपा के साथ आने की कोशिश में है और वह इसके लिए शिंदे गुट को भड़काने का काम कर रहा है। फिलहाल, भाजपा भी इससे शिंदे को संदेश देकर समीकरण साध रही है।

महाराष्ट्र की राजनीति में उभर रहे नए समीकरणों से राज्य में बड़े बदलाव आने के संकेत मिलने लगे हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में संजय राउत की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ और एनसीपी (शरद पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बाबनकुले से हुई मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। इसके पहले हाल में ही एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार का करीब आना भी काफी महत्वपूर्ण है।

क्या शरद पवार भी कमजोर पड़ रहे

एनसीपी (शरद पवार) के नेता शरद पवार के साथ प्रधानमंत्री मोदी का बेहद सदाशयता भरा व्यवहार और उसके बाद उसके प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष बाबनकुले के साथ मुलाकात के भी राजनीतिक मायने हैं। इससे भाजपा कांग्रेस को झटका देने के साथ महाविकास आघाड़ी को आगामी निकाय चुनाव में और कमजोर करने में जुटा है। शरद पवार भी राज्य की राजनीति में कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे में उनको भी नए फैसले लेने पड़ सकते हैं।

हिंदी ने उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म किया, अब तमिल को खत्म करने की तैयारी

सीएम एमके स्टालिन ने केंद्र की नई शिक्षा नीति का किया विरोध

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में हिंदी बनाम तमिल की जंग छेड़ने वाले सीएम एमके स्टालिन लगातार आक्रामक रुख दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर कहा है कि हम हिंदी को तमिलनाडु पर थोपने का विरोध करने वाले है। उन्होंने कहा कि हिंदी के चलते उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म किया गया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु हिंदी भाषा को 'थोपने' की इजाजत नहीं देगा और उन्होंने तमिलों एवं इसकी संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प जताया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित उन्होंने कहा, 'हम हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।' डीएमके ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन-भाषा फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने सीएम स्टालिन के आरोप का खंडन किया है।

सीएम स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी कई उत्तर भारतीय

भाषाओं को 'आधिपत्यवादी हिंदी ने नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु एनईपी का विरोध कर रहा है क्योंकि केंद्र शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी और संस्कृत को थोपने की कोशिश कर रहा है।

एनईपी के अनुसार तीसरी भाषा विदेशी भी हो सकती है। भाजपा के दावे का जवाब देकर स्टालिन ने दावा किया कि त्रिभाषा नीति कार्यक्रम के अनुसार, ''कई राज्यों में केवल संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राजस्थान उर्दू प्रशिक्षकों के बजाय संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। उन्होंने कहा, अगर तमिलनाडु त्रिभाषा नीति को स्वीकार करता है, तब मातृभाषा को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और भविष्य में संस्कृतीकरण होगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, 'इससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र ने तमिल जैसी भाषाओं को खत्म करने और संस्कृत को थोपने की योजना बनाई है।' स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई ने दशकों पहले राज्य में द्विभाषा नीति लागू की थी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि 'हिंदी-संस्कृत के माध्यम से आर्य संस्कृति को थोपने और तमिल संस्कृति को नष्ट करने के लिए कोई जगह नहीं है।'

भारत में 14 करोड़ लोगों का आर्थिक विकास, 100 करोड़ गरीबी में

-देश के 90 फीसदी लोगों के पास बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा नहीं

-रिपोर्ट देश की आर्थिक असमानता को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 5वें पायदान पर है और विकास दर की रफ्तार सबसे तेज है, लेकिन इसके बाद भी आम आदमी के जीवन में कुछ नहीं बदला है। हाल में जारी रिपोर्ट बताती है कि देश के 90 फीसदी लोगों के पास अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने से ज्यादा पैसे ही नहीं हैं। इस तरह के लोग अतिरिक्त खर्चे के बारे में सोच भी नहीं सकते। यह रिपोर्ट देश की आर्थिक असमानता को दिखाती है। एक अध्ययन में बताया गया है कि करीब देश की 90 प्रतिशत आबादी के पास जरूरत से ज्यादा कपड़े खरीदने या अन्य किसी सर्विस का फायदा उठाने की शक्ति नहीं है। रिपोर्ट 2025 में बताया गया है कि भारत की शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी जो करीब 13-14 करोड़ है और मैक्सिको की पूरी आबादी के बराबर है। इस आबादी के पास अपनी आर्थिक उपलब्धियों और खर्चे के लिए बहुत पैसे हैं, जबकि 90 फीसदी लोग जरूरत की चीजों में ही उलझकर रह जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया हैं कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में यह उपभोक्ता वर्ग आकार में नहीं बढ़ रहा है, बल्कि अधिक संपन्न हो रहा है। इसका मतलब है कि अमीर और अमीर हो रहे हैं, जबकि कुल अमीर व्यक्तियों की संख्या स्थिर बनी हुई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हालिया खपत में गिरावट तेज आई है, जो न केवल खरीदने की ताकत में कमी के कारण है, बल्कि वित्तीय बचत में भारी गिरावट और बड़े पैमाने पर कर्ज में वृद्धि की वजह से भी है। खपत के इस पैटर्न ने भारत की बाजार रणनीति को नया आकार दिया है। इसमें ब्रांड अब बड़े पैमाने पर उत्पादों के बजाय प्रीमियम प्रोडक?ट पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रिपोर्ट में रियल एस्टेट सेक्टर में भी बदलाव का जिक्र है, जहां अब किफायती आवास का हिस्सा बाजार में केवल 18 फीसदी है, जो पांच साल पहले 40 फीसदी था।

बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपये तक की आय वालों को टैक?स में पूरी छूट दे दी है। इससे मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी। छूट से करीब 92 फीसदी वेतनभोगी को टैक्स के दायरे से बाहर कर दिया गया है। साल 1990 में भारत के शीर्ष 10 फीसदी लोगों के पास राष्ट्रीय आय का 34 प्रतिशत हिस्सा था, जो 2025 तक बढ़कर 57.7 फीसदी हो गया। इसके विपरीत निचले 50 फीसदी लोगों का राष्ट्रीय आय में हिस्सा

22.2 फीसदी से घटकर 15 फीसदी रह गया।

यह रिपोर्ट साफ बताती है कि खर्च करने के मामले में अभी भारत अपने पड़ोसी चीन से करीब 13 साल पीछे है। भले ही हाल के दिनों में भारत की खपत प्रभावशाली हुई है, लेकिन अभी भी चीन से कम से कम 13 साल पीछे है।

डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को इस तरह के खाने की होती है क्रेविंग

अवसाद से जूझ रहे लोगों को कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति से भी संबंध हो सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक लगातार उदास मनोदशा से ग्रस्त रहने वाले अवसाद के रोगियों को भूख भी कम लगती है लेकिन जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं समेत विभिन्न शोधकर्ताओं ने कहा कि गंभीर अवसाद से ग्रस्त लोगों में कभी-कभी भोजन के प्रति लालसा उत्पन्न हो जाती है।

इस अध्ययन के शोधकर्ता एवं बॉन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बॉन में चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रोफेसर निल्स क्रोमर ने कहा, ''इन परिवर्तनों के कारण शरीर के वजन में भी बदलाव हो सकता है।'' साइकोलॉजिकल मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में 117 प्रतिभागियों के समूह को शामिल किया गया - जिनमें से 54 अवसादग्रस्त जबकि 63 स्वस्थ थे।

इन लोगों को खाद्य संकेत प्रतिक्रिया कार्य पूरा करने के लिए कहा गया, जिसमें 60 खाद्य पदार्थों और 20 गैर-खाद्य पदार्थों को इस आधार पर रेटिंग दी गई कि वे उसे चाहते हैं या पसंद करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसादग्रस्त लोगों में भोजन की इच्छा कम होती है, लेकिन पसंद में कमी नहीं आती।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, '' गंभीर अवसाद से ग्रस्त रोगियों ने कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की तुलना में उच्च वसा और उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों को कम पसंद किया और कम रेटिंग दी।卐 उन्होंने यह भी पाया कि ऐसे रोगियों के बीच वसा और कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे दूध चॉकलेट के प्रति भी अधिक लालसा थी।

नीदरलैंड के मास्ट्रिच विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्रा लिली थर्न ने कहा कि जबकि कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा आम तौर पर अधिक भूख से संबंधित होती है, अध्ययन से पता चला है कि कार्बोहाइड्रेट की लालसा अवसाद की समग्र गंभीरता, विशेष रूप से चिंता के लक्षणों से अधिक संबंधित है।

क्या टाइप 2 डायबिटीज मरीजों के लिए दवा समान है इमली?

आज के समय में डायबिटीज और मोटापे से पीड़ित लोगों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है. ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का बेहद ध्यान रखना पड़ता है. एक बार यदि किसी इंसान को डायबिटीज हो जाए, तो उसे अपनी जीवनशैली में कई बदलाव करने पड़ते है, इसके साथ ही उन्हें अपने आहार में भी कुछ बदलाव करने पड़ते हैं, इसके अलावा, उन्हें नियमित दवाइयों का इस्तेमाल करना भी बंद नहीं करना पड़ेगा. यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति शुरू से ही अतिरिक्त सावधानी बरतने बेहद जरूरी है.

बहुत से लोगों के मन इस बात को लेकर संदेह रहता है कि क्या डायबिटीज मरीज इमली का सेवन कर सकते हैं. ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि इमली के सेवन से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता है या इससे कंट्रोल होता है, इस बारे में शोध क्या कहता है...

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद या नुकसानदायक

शोध के मुताबिक, अन्य फलों की तरह इमली भी हमारे शरीर को कई लाभ प्रदान करती है. इमली में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी, विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों भरपूर मात्रा में पाई जाती है. जब बात डायबिटीज मरीजों की आती है तो इमली का सेवन करना उनके लिए बेहद फायदेमंद होता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट को ऑब्जर्व होने से बचाती है.

इमली डायबिटीज रोगियों में पैनक्रियाटिक टिश्यू की क्षति को ठीक करती है. इमली में मौजूद फाइबर और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह विशेष रूप से टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए फायदेमंद है. इमली इंसुलिन के स्राव को बढ़ाती है. जर्नल ऑफ मेडिसिनल फूड में प्रकाशित 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि इमली का रस इंसुलिन रिलीज को बढ़ाता है और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में सूजन को कम करने में मदद करता है.

इमली से मजबूत होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता : इमली में कुछ ऐसे एसिड होते हैं जो पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. पेट दर्द या डायरिया में भी यह कारगर है. इमली के सेवन से दिल स्वस्थ रहता है. शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जिससे दिल की धमनियों के ब्लॉक होने का खतरा कम होता है. इमली में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर को कई तरह के संक्रमण से बचाने में भी मदद करती है

इमली के अन्य लाभ क्या हैं?

इमली हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में मौजूद खनिजों को शरीर द्वारा आसानी से अवशोषित करने में मदद करती है. शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है.

इमली शरीर में अपच को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

इमली ब्यूटी केयर में भी बहुत उपयोगी है. इमली मुंहासे और दाग-धब्बे जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करने से लेकर चेहरे की चमक बढ़ाने तक हर काम के लिए उपयोगी है.

इमली में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है. इमली खाने से शरीर में आयरन का अवशोषण बेहतर तरीके से होता है. आयरन की कमी दूर होती है.

इमली में मौजूद म्यूसिलेज, पेक्टिन और अरेबिनोज पाचन प्रक्रिया को तेज करते हैं. यह आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया के उत्पादन को बढ़ाता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे खास तौर पर कब्ज से राहत मिलती है.

एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स यूज करने की क्या है सही उम्र, जानिए किन बातों का रखना चाहिए ख्याल

हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा के लिए मौसम और उम्र के साथ स्किन केयर में बदलाव करना बहुत जरूरी है। हर उम्र में स्किन की जरूरत अलग-अलग हो सकती है। वैसे तो स्किन केयर में शामिल करने के लिए आपको कई प्रोडक्ट मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप उम्र और स्किन टाइप के मुताबिक उन्हें नहीं चुनेंगे तो उनके इस्तेमाल से आपको कोई फर्क नहीं दिखेगा। बात जब एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने की होती है तो अधिकतर लोग कंफ्यूजन में रहते हैं कि आखिर इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किस उम्र से करें। अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है तो जानिए एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र और इस्तेमाल करते समय किन बातों को ध्यान में रखें।

क्या है एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र?

एक्सपर्ट के मुताबिक एंटी-एजिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल शुरू करने की सही उम्र 25 के बाद या 30 की शुरुआत तक है। क्योंकि यह वह समय है जब त्वचा का प्राकृतिक कोलेजन उत्पादन स्लो होने लगता है और उम्र बढ़ने के पहले लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में एक सही एंटी एजिंग क्रीम आपकी कई स्किन प्रॉब्लम को सॉल्व कर सकती है।

किन बातों का रखें ध्यान

1) किसी भी एंटी एजिंग प्रोडक्ट खरीदने से पहले अपनी स्किन टाइप को जानें और उसी के मुताबिक प्रोडक्ट को चुनें।

2) एंटी एजिंग क्रीम सही उम्र में लगाना शुरू कर देना चाहिए। तभी ये प्रोडक्ट समय से पहले आने वाले एजिंग साइन को रोकने में मदद करेंगे।

3) भले ही आपको चेहरे पर झुर्रियां दिखाई न दें, फिर भी एक उम्र के बाद एंटी एजिंग प्रोडक्ट लगाना शुरू कर देना चाहिए। ऐसा करके आने वाले समय में एजिंग के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है।

4) कम उम्र में एंटी-एजिंग प्रोडक्ट एजिंग साइन के लक्षणों को उलटने के बजाय झुर्रियों को रोकने और त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करते हैं।

आइब्रो बनवाने के बाद होने वाली जलन से राहत देंगे ये 3 घरेलू उपाय, अगली बार खुशी से जाएंगी पार्लर

अकसर आईब्रो बनवाने के बाद महिलाएं त्वचा पर दाने निकलने, रेडनेस, जलन और दर्द की शिकायत करती हैं। ऐसा ज्यादातर वैक्सिंग या थ्रेडिंग के दौरान त्वचा को महसूस होने वाले खिंचाव की वजह से हो सकता है। वजह चाहे कुछ भी हो लेकिन इसका असर कई घंटों तक महिलाओं के चेहरे पर बना रहता है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई बार दवा से लेकर घरेलू उपाय तक आजमाती रहती हैं। अगर आपको भी इस तरह की समस्या हर बार आईब्रो बनवाते समय झेलनी पड़ती है तो ये घरेलू उपाय आपकी मुश्किल को दूर करके राहत पहुंचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

थ्रेडिंग के बाद दर्द और जलन से निजात दिलाएंगे ये उपाय

ठंडा पानी

थ्रेडिंग के बाद त्वचा में होने वाली जलन और दर्द से राहत पाने के लिए आपको सबसे पहले चेहरे को ठंडे पानी से धोना चाहिए। इसके अलावा आप प्रभावित जगह पर आइस पैक को एक कपड़े में लपेटकर 15 मिनट तक जलन वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाकर सूजन,जलन और लालिमा को कम करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल को त्वचा पर लगाकर थोड़ी देर मसाज करें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।

खीरे का रस

खीरे का रस त्वचा को ठंडक और राहत देता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जलन को कम करने में मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए खीरे के टुकड़े काटकर प्रभावित जगह पर रगड़ें या फिर खीरे का रस निकालकर त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं। तय समय बाद चेहरा पानी से अच्छी तरह धो लें।

गुलाब जल

गुलाब जल भी त्वचा की जलन को शांत करने में फायदेमंद हो सकता है। गुलाब जल के इस उपाय को करने के लिए रूई में गुलाब जल डालकर प्रभावित क्षेत्र पर कुछ देर लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

आमलेट या उबले अंडे? स्वास्थ्य के लिए क्या है बेहतर?

अंडा एक संपूर्ण भोजन है. कई लोग नाश्ते में अंडे खाना पसंद करते हैं. अंडे खाना स्वास्थ्यवर्धक है. इसमें प्रोटीन, 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं. नियमित रूप से अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है. लेकिन कुछ लोगों को ऑमलेट खाना पसंद है. वे नाश्ते में ऑमलेट खाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि उबले अंडे में ऑमलेट की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं?

उबले अंडे : वेबएमडी के अनुसार, उबले अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है. संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है. यह मांसपेशियों की वृद्धि के लिए बहुत उपयोगी है. इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ-साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं.

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं. जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है. अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, प्रतिदिन एक उबला अंडा खाने से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है.

मस्तिष्क स्वास्थ्य : उबले अंडे मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं. अंडे में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला पोषक तत्व कोलीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बहुत उपयोगी है. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक टीम द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई है। इसके अलावा, उबले अंडे कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं.

ऑमलेट : ऑमलेट अंडे से बना एक स्वादिष्ट व्यंजन है. कई लोग ऑमलेट बनाने के लिए उसमें हरी मिर्च, हल्दी, प्याज और अन्य सब्जियां मिलाते हैं. कुछ लोग इसमें पनीर भी मिलाते हैं. इन सभी सामग्रियों को मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है. इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में होता है. तेल और पनीर जैसी चीजें खाने से कैलोरी बढ़ जाती है. शरीर में अनहेल्दी फैट जमा हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत अधिक कैलोरी का सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है.

स्वास्थ्य के लिए कौन सा बेहतर है?

स्वास्थ्य के लिए अच्छा : उबले अंडे में सभी पोषक तत्व होते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि उबले अंडे ऑमलेट की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक होते हैं.

अधिक स्वादिष्ट : एक ऑमलेट उबले अंडे से अधिक स्वादिष्ट होता है.

पौष्टिक तत्व : ऑमलेट में सब्जियां डालने से उसका पौष्टिक मूल्य बढ़ जाता है. लेकिन इसमें कैलोरी अधिक होती है.

उबले अंडे या ऑमलेट खाने के फायदे व्यक्ति के शरीर की जरूरतों पर निर्भर करते हैं. जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए उबले अंडे खाना अच्छा है. विशेषज्ञों का कहना है कि ऑमलेट उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो समान पोषक तत्व अधिक मात्रा में प्राप्त करना चाहते हैं.

उबले अंडे खाने के फायदे

वजन घटाने के लिए फायदेमंद

पाचन संबंधी समस्याओं का सही समाधान

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मस्तिष्क के कार्य के लिए लाभदायक

मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

ऑमलेट खाने के फायदे

स्वस्थ वसा प्राप्त होती है

फायबरसमृद्ध पोष्टिक पदार्थ

पालक से भरा ऑमलेट शरीर में आयरन बढ़ाता है

ढेर सारी सब्जियों से बने ऑमलेट विटामिन सी का अच्छा स्रोत हैं

इस खास दिन पर आरसी 16 के शीर्षक से उठेगा पर्दा

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, अब राम चरण ने अपनी अगली फिल्म पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। वह बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म के निर्माण में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में चल रही है और टीम जल्द ही तीन सप्ताह के शेड्यूल के लिए दिल्ली जाने वाली है।

इस दिन सामने आएगा फिल्म का शीर्षक

फिल्म के शीर्षक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसा लगता है कि निर्माता अब फिल्म के नाम से पर्दा उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के बहुप्रतीक्षित शीर्षक की आधिकारिक घोषणा 27 मार्च, 2025 को की जाएगी। इस दिन राम चरण का जन्मदिन भी है। ऐसे में अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर ही फैंस को खास तोहफा मिलेगा।

फिल्म का टीजर भी होगा जारी

खबर है कि शीर्षक के खुलासे के अलावा बुची बाबू सना एक छोटा सा टीजर भी जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है। फिलहाल इस फिल्म का अस्थाई नाम आरसी 16 रखा गया है और कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें क्रिकेट मुख्य विषय होगा। जान्हवी-राम चरण की साथ में पहली फिल्म हाल ही में क्रिकेट से जुड़े कुछ मुख्य दृश्यों की शूटिंग एक विशेष रूप से निर्मित स्टेडियम सेट में की गई। इस फिल्म में राम चरण बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे, जिसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिका में लिया गया है, जो राम चरण के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा के बैनर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा?

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बुची बाबू सना ने फिल्म का टाइटल पेड्डी चुना है, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच राम चरण सार्वजनिक तौर पर कम ही नजर आ रहे हैं, ताकि फिल्म से अभिनेता के लुक का खुलासा न हो। वहीं, अब राम चरण के जन्मदिन के मौके पर ही फिल्म से जुड़ा दिलचस्प अपडेट सामने आने का इंतजार है।

दिव्या ने किया रश्मिका मंदाना को सपोर्ट, 'छावा' में एक्टिंग को लेकर एक्ट्रेस को मिल रही है आलोचना

फिल्म 'छावा' में दिव्या दत्ता ने सोयराबाई की भूमिका निभाई है। इस भूमिका में उनके अभिनय को काफी सराहा गया है, जबकि फिल्म में उनके हिस्से बहुत अधिक सीन नहीं थे। वहीं फिल्म में रश्मिका मंदाना ने भी येशूबाई की भूमिका की, जो विक्की कौशल के किरदार संभाजी महाराज की पत्नी हैं। इस किरदार में रश्मिका के अभिनय को कुछ दर्शकों ने पसंद नहीं किया है। रश्मिका की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। ऐसे में दिव्या दत्ता ने उन्हें सपोर्ट किया है।

दिव्या दत्ता ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा है कि रश्मिका मंदाना की पिछली फिल्में हिट रही हैं, ऐसे में उनमें कोई तो बात होगी कि दर्शक इस तरह का रेस्पॉन्स देते हैं। वह बताती हैं कि रश्मिका बहुत प्यारी लड़की हैं, उनकी आंखें पर्दे पर मन को मोह लेती हैं। वह एक अच्छी एक्ट्रेस हैं।

अपने किरदार को लेकर क्या सोचती हैं

अपने किरदार के बारे में दिव्या दत्ता बताती हैं कि मैंने फिल्म 'छावा' में सोयराबाई का रोल किया है, इसके लिए दर्शकों की तरफ से सराहना मिली है। साथ ही कुछ लोगों का कहना है कि मेरे किरदार को लंबा होना चाहिए था। लेकिन सबसे अहम बात है कि हमारी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल रही है।

कई उम्दा कलाकार फिल्म में हैं शामिल

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, दिव्या दत्ता के अलावा आशुतोष राणा, प्रदीप राम सिंह रावत, संतोष जुवेकर सिंह, डायना पेंटी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। साथ ही औरंगजेब के रोल में अक्षय खन्ना और कवि कलश के रोल में विनीत कुमार नजर आए हैं। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा है।

हॉलीवुड डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं प्रनूतन बहल

प्रनूतन बहल, जो दिवंगत एक्ट्रेस नूतन की पोती और मोहनीश बहल की बेटी हैं, जल्द हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह फिल्म कोको & नट में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसमें उनके साथ एक्टर रहसान नूर भी होंगे। यह फिल्म एक रोमांटिक कहानी पर आधारित है और 2025 में रिलीज होगी। प्रनूतन के लिए हॉलीवुड डेब्यू एक बड़ा अवसर है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहा मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है और यह एक पूरी तरह से रोमांटिक फिल्म है। मेरी पहली फिल्म 'नोटबुक' भी रोमांटिक थी, लेकिन उसमें मेरा मेल लीड से उतना इन्वॉल्वमेंट नहीं था। लेकिन इस बार यह पूरी तरह रोमांटिक लव स्टोरी है और मुझे इसे करने का मौका लंबे इंतजार के बाद मिला। 2023 के अंत में, मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया और हमने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। उम्मीद है कि इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

उन्होंने कहा ये मेरे लिए सिर्फ 'हॉलीवुड डेब्यू' नहीं, बल्कि एक नए एक्सपीरियंस का मौका है। मेरी सोच हमेशा से सिंपल रही है - कोई भी प्रोजेक्ट करो, उसे पूरे दिल और मेहनत से करो। चाहे हिंदी सिनेमा हो, तेलुगु इंडस्ट्री हो या हॉलीवुड, क्रिएटिव फील्ड में असली पहचान आपकी भाषा से नहीं, आपकी परफॉर्मेंस से बनती है। जब आप सच्चाई और ईमानदारी से कोई किरदार निभाते हैं, तो वो स्क्रीन पर दिखता है। यही सबसे जरुरी चीज है।

श्रुति हासन ने बताया, कैसे उनकी संगीत यात्रा पर रहा है पिता कमल हासन का प्रभाव

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर अपने पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया। पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है। मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया और अब वह मंच को अपना दूसरा घर मानती हैं। श्रुति ने अपने पिता से जीवनभर में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है। हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है। इस बीच, श्रुति हासन महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के मुकाबले के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी। श्रुति हासन ने कई हिट गाने दिए हैं, जिनमें आजमा (लक) और सिनेमा छुपी मां जैसे मशहूर गाने शामिल हैं। साथ ही हाल ही में अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित फिल्म कुली का हिट गाना डिस्को भी है। काम की बात करें तो, अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म कुली की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक खास डांस नंबर करने के लिए पूजा हेगड़े को चुना गया है। कुली एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो सोने की तस्करी करने वाले माफिया पर आधारित है। इस फिल्म में नागार्जुन, उपेंद्र, सत्यराज, सौबिन शाहिर, संदीप किशन और रेबा मोनिका जॉन जैसे शानदार कलाकार भी हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी कथित तौर पर फिल्म में एक गेस्ट रोल में नजर आएंगे।

जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक बनाएंगे रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी जॉन अब्राहम के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म मुंबई के एक मशहूर पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया के जीवन पर आधारित है। रोहित शेट्टी इस फिल्म को जल्द ही फ्लोर पर ले जाने का विचार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित का लक्ष्य 45-डे स्टार्ट-टू-फिनिश शेड्यूल में फिल्मांकन पूरा करना है, जिसका प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है। जॉन फिल्म में राकेश मारिया का किरदार निभाएंगे, जिनके करियर की पहचान 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों और 26/11 के आतंकी हमलों जैसे बड़े मामलों से रही है। राकेश मारिया के संस्मरण लेट मी से इट नाउ पर आधारित यह फिल्म एक रोमांचक ड्रामा होगी।

रोहित रॉय ने हिना खान की तारीफ में किया पोस्ट

हिना खान तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अभिनेत्री का उपचार चल रहा है। हिना अक्सर अपनी हेल्थ को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आती हैं। इस मुश्किल वक्त का सामना हिना काफी सकारात्मक तरीके से कर रही हैं। एक तरफ वह अपने घूमने-फिरने के शौक को भी पूरा कर रही हैं तो वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। फैंस और इंडस्ट्री के तमाम सितारे हिना की तारीफ करते नजर आते हैं।

हाल ही में रोहित रॉय भी हिना की हिम्मत को सलाम करते दिखे हैं। रोहित रॉय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने हिना के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह तारीफ भरा पोस्ट मेरी जानकारी में सबसे मजबूत लड़कियों में से एक के लिए है। वह जंग लड़ रही है और मुझे यकीन है कि वह समय के साथ इसे हरा देगी। लेकिन, इस मुश्किल वक्त में और जब वह लड़ रही है, तब भी उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं जाती। तुम्हें और हिम्मत मिले हिना खान।

हिना ने कहा शुक्रिया

रोहित के पोस्ट के पोस्ट पर हिना खान ने कमेंट किया है और उनका आभार जताया है। हिना ने लिखा है, बहुत बहुत शुक्रिया। जिंदगी ने मुझे नींबू दिए, मैंने उनसे करतब दिखाना सीखा। यह सीख मुझे मेरे पिताजी ने दी। आप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिए प्लीज।

हिना के लिए फैंस ने की दुआ

रोहित के पोस्ट पर हिना के फैंस के खूब कमेंट आ रहे हैं। यूजर्स अभिनेत्री के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत दिल वाले लोग ऐसे ही होते हैं, जिंदगी उनकी परीक्षा लेती है। एक यूजर ने लिखा, मुस्कुराना कोई हिना से पूछे। हिना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल के दिनों में गृहलक्ष्मी शो में देखा गया।

अल्फा की तैयारी करती नजर आई शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। शरवरी वाघ फोटोज में रस्सी से एक्सरसाइज करते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है जल्द ही अल्फा के लिए जंग की तैयारी। शरवरी जल्द ही अल्फा फिल्म में नजर आने वाले हैं, वह इसकी तैयारी कर रही हैं। शरवरी हाल ही में मुंजया में नजर आई थीं। उनका गानातरस नी आया काफी मशहूर हुआ।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673